RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-13 अंक: 43 ता. 08 अगस्त 2024, गुरूवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठः 8 कीमतः 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

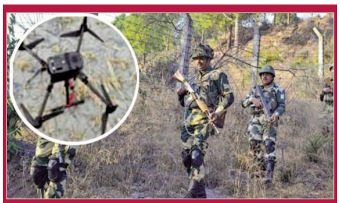

सीमा लांघ रहा था पाकिस्तान ड्रोन, बीएसएफ जवानों ने मार गिराया

गुरदासपुर। पंजाब के गुरदासपुर जिले के डेरा बाबा नानक में बीएसएफ की 113 बटालियन ने एक पाक ड्रोन को मार गिराया है। बीओपी डीबीन रोड पर एक पाक ड्रोन सीमा लांघ रहा था जब तैनात जवानों की नजर उस पर पड़ी तो उन्होंने उसे मार गिराया और पाक के नापाक मंसूबों को नाकाम कर दिया। बता दें इससे पहले गत रविवार रात को भी जवानों ने भारतीय सीमा में घुस रहे पाकिस्तानी ड्रोन पर फायरिंग व इलु बम दागे थे। बीएसएफ की 113 बटालियन के बहादुर जवान तीन दिन में दो बार भारतीय सीमा में घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर चुके हैं। बुधवार अल सुबह से ही बीएसएफ और पुलिस की ओर से इलाके में सर्च अभियान चलाया जा रहा है। गौरतलब है कि इसी बटालियन के जवान पूर्व में पाकिस्तानी ड्रोन को मार गिराने में सफल रहे थे।

गंगा नदी का बढ़ा जलस्तर, फिर बदलना पड़ा आरती स्थल

वाराणसी। बारिश के चलते गंगा नदी का जलस्तर दिन ब दिन बढ़ रहा है। वाराणसी के घाटों पर गंगा नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी हो रही है जिसके चलते प्रशासन ने गंगा आरती का स्थान बदल दिया है। बाढ़ के कहर के कारण घाट पर होने वाली संध्या आरती प्रभावित हो रही है। गंगा आरती के स्थान को पांचवी बार बदला गया। हालत यह है कि दशाश्वमेध घाट पर होने वाली आरती को छत पर कराया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक हर साल की तरह इस साल भी गंगा नदी का जलस्तर बढ़ गया है। पानी काफी ऊपर आ गया है। घाट पर स्थान काफी सीमित हो गया, जगह छोटी पड़ रही है, भीड़ काफी हो रही थी। इसलिए गंगा आरती गंगा सेवा निधि कार्यालय की छत पर कराने का फैसला लिया गया है।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक और भारतीयों पर न हो अत्याचार : रामदेव

नई दिल्ली। बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद फैली हिंसा में अब तक कई लोगों की जाने जा चुकी हैं। ऐसी भी खबरें सामने आ रही हैं कि वहां अल्पसंख्यकों पर अत्याचार किया जा रहा है। इसी बीच अल्पसंख्यकों पर रहे अत्याचार को लेकर बाबा रामदेव ने चिंता जताई है। रामदेव ने एक वीडियो संदेश जारी कर कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर किसी भी तरह की क्रूरता या अत्याचार नहीं होना चाहिए, चाहे वह वहां व्यापार करने वाले हिंदू हों, या वहां रहने वाले भारतीय हों। उन्होंने कहा कि यह देखकर खुशी हो रही है कि पहली बार पूरा विपक्ष सरकार के साथ खड़ा है और यही भारत की नीति होनी चाहिए। वरना जिस तरह से कट्टरवाद दुनिया में फैल रहा है और भारत के पड़ोस में दस्तक दे चुका है, वह देश के लिए खतरनाक हो सकता है। यह एकता आने वाले समय में भी बनी रहनी चाहिए। जो लोग आरक्षण, जाति, धार्मिक कट्टरता के नाम पर देश को बांटना चाहते हैं यह ठीक नहीं है। इसलिए भारत की राजनीति अहम मुद्दों पर केंद्रित होनी चाहिए।

संसद का मॉनसून सत्र......वित्त विधेयक पर होगी चर्चा

नई दिल्ली । संसद के मॉनसून सत्र का बुधवार को 13वां दिन है। इस सत्र में आम बजट 2024 पर चर्चा हो रही है। बजट को लेकर विपक्ष मोदी सरकार को लगातार घेर रहा है। इस बार संसद 11 अगस्त तक चलने वाली है। वहीं, इसके पहले सत्र के 12 वें दिन बांग्लादेश के हालात पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने संसद के दोनों सदनों में बयान दिया था। जयशंकर ने वहां हिंदुओं को निशाना बनाने पर भी चिंता जाहिर की थी। इस दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि मैंने कुछ दिन पहले वायनाड का दौरा कर त्रासदी में लोगों का दर्द और तकलीफ देखी। 200 से ज़्यादा लोग मारे गए और बड़ी संख्या में लोग लापता हैं। मैं केंद्र और राज्य सरकार, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सेना, नौसेना, तटरक्षक बल, अग्निशमन विभाग और अन्य के काम की सराहना करना चाहूँगा। यह एक बहुत बड़ी त्रासदी है। मैं केंद्र सरकार से वायनाड के लिए एक व्यापक पुनर्वास पैकेज देने का आग्रह करूंगा जिसमें आपदा-रोधी बुनियादी ढांचा बनाना और समुदायों की मदद करना शामिल है। मैं मोदी सरकार से वायनाड भूस्खलन को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने का भी आग्रह करना चाहूंगा।

तुर्किश एयरलाइंस ने लखनऊ एयरपोर्ट पर की इमरजेंसी लैंडिंग

लखनऊ। लखनऊ एयरपोर्ट पर इस्तांबुल से आ रहे तुर्किश एयरलाइंस के विमान की इमरजेंसी लैंडिंग हुई। विमान इस्तांबुल से काठमांडू जा रहा था लेकिन काठमांडू में खराब मौसम की वजह से लैंडिंग नहीं हो सकी। विमान काफी देर तक आसमान में चक्कर लगाता रहा। इसके बाद उसे लखनऊ डायवर्ट कर दिया। लखनऊ में सवा घंटे रुकने के बाद मौसम ठीक होने पर विमान को दोबारा काठमांडू रवाना किया गया। जानकारी के मुताबिक तुर्किश एयरलाइंस काठमांडू में मौसम खराब होने के कारण विमान को वहां लैंडिंग की अनुमति नहीं दी गई। इस पर पायलट ने चौधरी चरण सिंह अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट के एटीसी से सम्पर्क कर लैंडिंग की अनमुति मांगी।

यूपी में गंगा-यमुना और बिहार में 3 नदियां उफान पर

▶▶ राजस्थान में बाढ़, घरों में 5 फीट पानी ▶▶ इंदिरा सागर के 12, ओंकारेश्वर के 9 गेट खोले गए

पावर स्टेशन सहित दोनों डैम से 8082 क्यूमेक्स पानी डिस्चार्ज कर रहे

नई दिल्ली/भोपाल। (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश में तेज बारिश के कारण गंगा और यमुना नदी उफान पर हैं। मुरादाबाद में इतनी बारिश हुई कि रेल ट्रैक पानी में डूब गया। पीलीभीत में सड़क बह गई। बिहार में भी तेज बारिश के चलते सीतामढ़ी, गया, सुपौल, गोपालगंज के कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। गंडक, बागमती और कोसी नदी उफान पर है। उधर, राजस्थान के जैसलमेर, पाली और जोधपुर में पिछले 24 घंटों के दौरान तेज बारिश के बाद बाढ़ जैसे हालात हैं। जैसलमेर के मोहनगढ़ में 10 इंच, पोकरण में 7 इंच बारिश दर्ज की गई। पाली में 10 इंच और जोधपुर में 9 इंच बारिश दर्ज की गई। पाली में बाढ़ के चलते शहर की 52 से ज्यादा कॉलोनियां पानी में डूब गईं। यहां 5 फीट तक पानी भरा हुआ है। मप्र में नदियां उफान पर हैं। बांधों से लगातार छोड़ा जा रहा पानी।

खंडवा जिले में नर्मदा नदी पर बने इंदिरा सागर और ओंकारेश्वर बांध के गेट खोल दिए गए है। शाम 4 बजे इंदिरा सागर डैम के 12 गेट खोलकर 2154 क्यूमेक्स तथा पावर स्टेशन से 1840 क्यूमेक्स पानी डिस्चार्ज कर रहे है। वहीं आधे घंटे शाम साढ़े 4 बजे ओंकारेश्वर बांध के 9 गेट खोल दिए गए।

डैम से 2 हजार क्यूमेक्स तथा पावर स्टेशन से 2088 क्यूमेक्स पानी छोड़ा जा रहा है। इस तरह दोनों डैम से कुल 8082 क्यूमेक्स पानी डिस्चार्ज होगा। इंदिरा सागर और ओंकारेश्वर दोनों बांध परियोजनाएं एनएचडीसी के अधीन है। ओंकारेश्वर परियोजना के प्रमुख धीरेंद्र द्विवेदी के मुताबिक, डैम से कुल 8 मीटर पानी छोड़ा जाएगा। शाम 4.30 बजे 9 गेट खोले गए है। इसमें तीन स्पिल्वे गेट 1.5 मीटर, दो गेट एक मीटर और चार गेट आधा मीटर ऊंचाई तक खुले है। गेटों से 2 हजार क्यूमेक्स तथा पावर स्टेशन पर बिजली उत्पादन कर 2088 क्यूमेक्स पानी डिस्चार्ज कर रहे है।

इधर, इंदिरा सागर बांध के प्रमुख अजीत कुमार सिंह के मुताबिक, डैम के 12 गेट खोले गए है। 6 स्पिल्वे गेटों की ओपनिंग एक मीटर व 6 गेट की आधा मीटर रखी गई हैं।

इस तरह इंदिरा सागर से 2154 क्यूमेक्स पानी तथा पावर स्टेशन से 1840 क्यूमेक्स पानी छोड़ा जा रहा है। कुल पानी का डिस्चार्ज 3994 क्यूमेक्स रहेगा। डैम से 9 मीटर पानी खाली किया जाएगा। गेट खुलने से पहले की स्थिति में इंदिरा सागर में जलभराव 259.97 मीटर था।

जबकि इसकी कुल भराव क्षमता 262.13 मीटर हैं।

लोकसभा में भूस्खलन का मुद्दा उठाकर राहुल बोले

वायनाड लैंडस्लाइड को राष्ट्रीय आपदा घोषित करें

नई दिल्ली। (एजेंसी)

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को लोकसभा में 30 जुलाई को केरल के वायनाड में आए भूस्खलन का मुद्दा उठाया। उन्होंने केंद्र से इसे राष्ट्रीय आपदा घोषित करने, लोगों को दिया जाने वाला मुआवजा बढ़ाने तथा समग्र पुनर्वास पैकेज प्रदान करने की मांग की। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शून्यकाल में इस मुद्दे को उठाया। उन्होंने कहा कि वायनाड में पीड़ितों की मदद के लिए विभिन्न समुदाय के लोग आगे आए, जिसे देखकर अच्छा लगा।

वायनाड भूस्खलन को लेकर लोकसभा में राहुल गांधी ने कहा, मैंने अपनी बहन (प्रियंका गांधी वाड्रा) के साथ कुछ दिन पहले वायनाड का दौरा किया और अपनी आंखों से आपदा के बाद भयावह विनाश और पीड़ा के मंजर को देखा। करीब दो किलोमीटर तक पहाड़ ढह गया और चट्टानों एवं गाद का अंबार लग गया। उन्होंने आगे बताया कि इस आपदा में 300 से अधिक लोगों की जान चली गई और अभी भी बड़ी संख्या में लोग लापता हैं।

केंद्र, राज्य सराकर की सराहना की

वायनाड के पूर्व लोकसभा सदस्य राहुल गांधी ने इस आपदा की स्थिति पर केंद्र सरकार, राज्य सरकार, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सेना, नौसेना, तटरक्षक, जिला प्रशासन, वन विभाग और दमकल विभाग के बचाव और राहत कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने तमिलनाडु, कर्नाटक तथा तेलंगाना राज्यों की ओर से की गई मदद की भी सराहना की। राहुल गांधी ने आगे कहा, यह देखकर अच्छा लगा कि विभिन्न समुदाय के लोग पीड़ितों की मदद के लिए आगे आए। भूस्खलन के कारण मुख्य मार्ग कटने से बचाव दलों को आपदा प्रभावित स्थानों तक पहुंचने में दिक्कतों का भी सामना करना पड़ा। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा, यह बहुत बड़ी आपदा थी। इसलिए मेरा केंद्र सरकार से अनुरोध है कि वायनाड के लिए समग्र पुनर्वास पैकेज में सहयोग करे, जिसमें आपदा से निपटने के लिए अवसंरचना निर्माण और प्रभावित समुदायों की मदद शामिल हो। मैं केंद्र सरकार से यह अनुरोध भी करता हूं कि पीड़ितों को जो मुआवजा दिया जा रहा है, उसे बढ़ाया जाए और वायनाड भूस्खलन की घटना को राष्ट्रीय आपदा घोषित किया जाए। कांग्रेस सांसद ने आगे कहा, मैंने अनेक आपदा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया है लेकिन इस आपदा में यह देखना अत्यंत दुखदायी रहा कि अनेक मामलों में परिवारों में केवल एक सदस्य जीवित बचा है। उन्होंने कहा कि वह वायनाड के लोगों की बात उठाने के लिए इस सदन को भी धन्यवाद देते हैं। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से मृतकों को दो लाख और घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है।

राज्यसभा की 12 खाली सीटों के लिए 3 सितंबर को चुनाव......14 अगस्त को जारी होगा नोटिफिकेशन

नई दिल्ली । चुनाव आयोग ने राज्यसभा की 12 खाली सीटों के लिए अधिसूचना जारी कर दी है। अधिसूचना के अनुसार तीन सितंबर को चुनाव कराए जाएंगे। राज्यसभा की 12 सीटों पर तीन सितंबर को होने वाले चुनाव के लिए नामांकन की अंतिम तिथि 21 अगस्त है। नामांकन पत्रों की जांच 21 अगस्त को होगी, नामांकन वापसी की अंतिम तिथि 26 और 27 अगस्त है। बता दें कि 9 राज्यों की 12 राज्यसभा सीटों पर चुनाव होने हैं।

आयोग की अधिसूचना के अनुसार, राज्यसभा सदस्यों के चुनाव के लिए 14 अगस्त को नोटिफिकेशन जारी होगा। नोटिफिकेशन जारी होने के बाद नामांकन की प्रक्रिया शुरू होगी। नामांकन की आखिरी तारीख 21 अगस्त रखी गई है, 22 अगस्त को नामांकन पत्रों की जांच होगी। इसके बाद अगर कोई उम्मीदवार अपना नामांकन वापस लेना चाहता है, तब वह 27 अगस्त तक ले सकता है। 3 सितंबर को सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक वोटिंग होगी और फिर उसी दिन शाम 5 बजे चुनाव के नतीजे जारी किए जाएंगे।

उल्लेखनीय है कि असम, महाराष्ट्र और बिहार की दो सीटों पर और हरियाणा, मध्य प्रदेश, राजस्थान, त्रिपुरा, तेलंगाना, ओडिशा में एक-एक सीट पर राज्यसभा सदस्यों का चुनाव होना है।

मध्य प्रदेश, राजस्थान हरियाणा, असम और ओडिशा में भाजपा उम्मीदवार के जीतने की संभावना है। दरअसल, इन राज्यों में भाजपा की सरकार है और पार्टी के पक्ष में ज्यादा संख्या बल है।

सनातन के प्रचार से रुकेगी बांग्लादेश की हिंसा : कंगना

शिमला। (एजेंसी)

भाजपा सांसद कंगना ने कहा, पिछले कुछ वर्षों से देखने को मिल रहा है कि भारत में भी इस्लामिक शक्तियां सक्रिय हो रही हैं। हमें पूरी कोशिश करनी है कि भारत में कभी-भी ऐसी शक्तियां सिर ना उठा सके। कंगना ने कहा कि हमें भारत में सनातन को मजबूत करना होगा और सभी लोगों को इसके लिए जागरूक भी। उन्होंने कहा, ÷बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदाय के लोग भय के माहौल में जीने को बाध्य हैं। वहां ईसाई और हिंदुओं को लगातार धमकाया जा रहा है। पहले भारत का बांग्लादेश के साथ मधुर संबंध था, लेकिन अब इस राजनीतिक संग्राम के बाद हमारे रिश्ते बांग्लादेश के साथ भी जटिल हो चुके हैं। वहां आने वाले दिनों में इस्लामिक शक्तियां और ज्यादा उग्र होंगी।

बॉलीवुड अभिनेत्री व बीजेपी सांसद कंगना रनौत ने मंगलवार को हिमाचल प्रदेश में बाढ़ग्रस्त इलाकों का दौरा करने के दौरान पत्रकारों से बातचीत में बांग्लादेश की मौजूदा स्थिति पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि अगर समय रहते हमने कदम नहीं उठाया, तो ऐसी स्थिति भारत में भी पैदा हो जाएगी। उन्होंने आगे कहा, बांग्लादेश में लगातार अल्पसंख्यकों पर अत्याचार बढ़ रहे हैं। कभी उन पर हमले किए जाते हैं, तो कभी उनके घरों को निशाना बनाया जा रहा है। इनकी गुहार सुनने वाला कोई नहीं। ना ही वहां की पुलिस और ना ही प्रशासन। इसलिए मैं इस बात पर जोर देती हूं कि हम सभी को समस्त विश्व में सनातन का झंडा बुलंद करना चाहिए। इस घटना से हमें सीख लेनी चाहिए कि सनातन हम सभी के लिए कितना जरूरी हो जाता है।

आज संसद में वक्फ बोर्ड बिल पेश कर सकती हैं मोदी सरकार

नई दिल्ली । (एजेंसी)

नरेंद्र मोदी सरकार गुरुवार को लोकसभा में वक्फ बोर्ड बिल पेश कर सकती है। सूत्रों के मुताबिक मोदी सरकार गुरुवार को ही बिल को पेश करने जा रही है। बताया गया हैं कि केंद्र सरकार चाहती है कि बिल में सभी दलों को साथ लिया जाए। इसकारण मोदी सरकार बिल पर सर्व सम्मति बनाने के लिए सेलेक्ट कमेटी को भेज सकती है। सूत्रों के मुताबिक सरकार की प्राथमिकता बिल को आम सहमति से सदन में पारित कराकर गरीब मुस्लिम, मुस्लिम महिला और अनाथ मुस्लिमों को न्याय दिया जाए। अगर सदन में बिल पर आम सहमति नहीं बनने पर बिल को और ज्यादा चर्चा के लिए किसी संयुक्त समिति को भी भेज सकती है। वक्फ बोर्ड बिल पर पिछले 2 माह में मोदी सरकार ने करीब 70 ग्रुप से मशविरा किया है। बिल का मकसद वक्फ संपत्तियों को अवैध कब्जे से निजात दिलाना है।

बता दें कि वक्फ के पास देश में सबसे बड़ी चल और अचल संपत्ति है। हालांकि, इससे ऊपर रेलवे और डिफेंस हैं, लेकिन वह सरकारी संपत्ति है। इस बिल में सरकार मौजूदा वक्फ बोर्ड अधिनियम की धारा-40 को भी बदलने की तैयारी में है। यह नियम बोर्ड को किसी संपत्ति को अपनी जमीन घोषित करने की ताकत देता है। इस नए बिल में केंद्रीय वक्फ परिषद और राज्य वक्फ बोर्डों का रोल काफी संशोधित किया जा सकता है, साथ ही इन निकायों में मुस्लिम महिलाओं और गैर-मुसलमानों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करता है।

श्रद्धालुओं से गुलजार रामलला का दरबार.......डेढ़ लाख लोग रोज कर रहे दर्शन

22 जनवरी से 31 जुलाई तक ढाई करोड़ से अधिक पहुंचे

अयोध्या । (एजेंसी)

अयोध्या में जब से रामलला अपने मंदिर में विराजमान हुए हैं, तब से लेकर अयोध्या राम भक्तों से गुलजार रहती है। अयोध्या धाम में 2023 तक प्रतिवर्ष 20 लाख श्रद्धालु आते थे, लेकिन 22 जनवरी से 31 जुलाई तक ढाई करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं का अयोध्या धाम में आगमन हुआ है। यानी औसतन एक से डेढ़ लाख श्रद्धालु प्रतिदिन रामलला के दर्शन करने पहुंच रहे हैं। यह श्रद्धालु प्रभु श्रीराम के सुमग व भव्य दर्शन कर ही रहे हैं, साथ ही नई भव्य-दिव्य और नव्य अयोध्या को देखकर अभिभूत भी हो रहे हैं।

दरअसल अयोध्या में देर रात धर्मपथ पर श्रीराम हेरिटेज वॉक का लोकार्पण करने पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्री राम हेरिटेज वॉक का लोकार्पण किया। सीएम योगी ने कहा कि आज का कार्यक्रम दिव्य, भव्य, नव्य अयोध्या को नया स्वरूप प्रदान करने का हिस्सा है। सीएम योगी ने कहा कि पावन अयोध्या धाम देश-दुनिया में अपने भव्य व आधुनिकतम स्वरूप के रूप में नई पहचान बना रहा है। पीएम मोदी ने विरासत व विकास के जिस क्रम को देश के अंदर बढ़ाया है, वह 10 वर्ष के अंदर एक भारत-श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को साकार कर रहा है। नई अयोध्या भारत के विरासत व विकास की अनुपम छटा बिखेरते हुए देश-दुनिया को अपनी तरफ आकर्षित कर रही है।

सीएम योगी ने कहा कि धर्म पथ पर बने म्यूरल्स प्रभु राम की उन लीलाओं को दिखा रहे हैं, जो उन्होंने वनवास और रामराज्य की स्थापना के दौरान स्थापित की थी। अयोध्या में फोरलेन कनेक्टिविटी, 500 वर्ष का इंतजार समाप्त कर प्रभु श्रीराम के दिव्य-भव्य मंदिर में रामलला के विराजमान होने का कार्य हो, श्रीरामपथ, जन्मभूमि पथ, भक्तिपथ, अयोध्या के अनेक मार्ग को जनपद मुख्यालय और लखनऊ-अयोध्या फोरलने मार्ग को जोड़ने का कार्य, एयरपोर्ट की कनेक्टविटी को बेहतरीन बनाते हुए टेढ़ी बाजार होते हुए इस मार्ग को एयरपोर्ट से जोड़ने, अयोध्या में अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के निर्माण, मल्टीलेवल पार्किंग, राम की पैड़ी का भव्य स्वरूप समेत अनेक कार्य यहां हुए हैं।

मुस्लिम नाबालिग की शादी करना सही है या गलत, अब सुप्रीम कोर्ट करेगा फैसला

नई दिल्ली। (एजेंसी)

चाइल्ड मैरिज यानी बाल विवाह (प्रिवेंशन) एक्ट होने के बाद भी क्या मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत नाबालिग लड़की के निकाह की इजाजत दी जा सकती है? देश की कई अदालतें इस मसले पर अलग-अलग फैसले दे चुकी है। नैशनल कमीशन फॉर प्रोटक्शन ऑफ चाइल्ड राइट्स (एनसीपीसीआर) ने पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के ऐसे ही एक फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। अडिशनल सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इस मामले को चीफ जस्टिस की अगुवाई वाली बेंच के सामने रखा। चीफ जस्टिस ने कहा कि हम सुनवाई करेंगे और इस मामले का निपटारा भी करें।

जल्द ही सुनवाई के लिए तारीख भी तय की जाएगी। 2022 में पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने जावेद के मामले में कहा था कि मुस्लिम लड़की जो नाबालिग है, लेकिन शारीरिक तौर पर वयस्क हो तो मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत निकाह कर सकती है। ऐसा ही एक मामला उसी साल केरल हाईकोर्ट में आया था। तब केरल हाईकोर्ट ने अपने फैसले में मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत निकाह चाइल्ड मैरिज (प्रिवेंशन) एक्ट के दायरे से बाहर नहीं है। एनसीपीसीआर ने पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। लड़की की उम्र 16 साल है और हाईकोर्ट ने निकाह के पक्ष में फैसला दिया था। एनसीपीसीआर की ओर से तुषार मेहता पेश हुए और सुप्रीम कोर्ट से हाईकोर्ट की टिप्पणी पर रोक लगाने की गुजारिश की। उन्होंने कहा कि ऐसी टिप्पणी का असर बाल विवाह पर पड़ सकता है और पॉक्सो एक्ट पर भी असर हो सकता है। इसी बात पर सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने कहा कि कैसे कोई अनुकरण कर सकता है, जब हम मामला सुन रहे हैं। हम पूरे मुद्दे का परीक्षण करेंगे। 13 जून 2022 को पंजाब हाईकोर्ट का फैसला आया था।

कोर्ट के सामने 16 साल की लड़की और 21 साल के लड़के ने याचिका दाखिल कर सुरक्षा की गुहार लगाई थी। कोर्ट को बताया था कि दोनों को प्यार हुआ और 8 जून को उन्होंने शादी कर ली। याचिकाकर्ता ने मुस्लिम पर्सनल लॉ का हवाला देकर दावा किया था कि अगर लड़की प्यूबर्टी यानी शारीरिक रुप से व्यस्क होती है तो वह बालिग मानी जाती है। ऐसे में मर्जी से निकाह करने की हकदार है। हाईकोर्ट ने भी कहा था कि मुस्लिम पर्सनल लॉ की धारा 195 के तहत नाबालिग लड़की प्यूबर्टी पाने के बाद निकाह के लिए योग्य हो जाती है। एनसीपीसीआर ने हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील दाखिल की और कहा है कि हाईकोर्ट ने मुस्लिम पर्नसल लॉ के तहत निकाह की वैधता को गलत तरीके से परिभाषित किया है। हाईकोर्ट ने प्रावधान की गलत व्याख्या की है।

वैसे ही नाबालिग के साथ शारीरिक संबंध चाहे मर्जी से ही क्यों न हो पॉक्सो के तहत अपराध है। अगर मुस्लिम पर्सनल लॉ प्यूबर्टी को निकाह की उम्र मानता है तो भी निकाह की वैधता को जांचा जाना चाहिए और उसे हाईकोर्ट ने नजरअंदाज किया। हाईकोर्ट ने इस बात की गलत व्याख्या की है कि प्यूबर्टी और बालिग होने से निकाह वैध है, क्योंकि पॉक्सो कानून लागू है और मर्जी से भी नाबालिग के साथ संबंध अपराध है। अब मामला चूंकि सुप्रीम कोर्ट के सामने है तो इस मामले में जो कानूनी सवाल उठे हैं उसका जवाब मिलेगा और आगे के लिए एक अहम नजीर बनेगा।

पहलगाम का रास्ता बंद, अब अमरनाथ यात्री बालटाल के रास्ते करेंगे दर्शन

जम्मू । (एजेंसी)

दक्षिण कश्मीर के पहलगाम के रास्ते पर मरम्मत कार्य जारी है जिसको लेकर अधिकारियों ने निर्णय लिया है कि अमरनाथ यात्रा अब उत्तरी कश्मीर के बालटाल मार्ग से ही होगी। श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड के अधिकारियों ने कहा कि बारिश के कारण पहलगाम-गुफा का रास्ता क्षतिग्रस्त हो गया है। उसे सुधारने का काम जारी है। इसलिए इस साल की बची हुई अमरनाथ यात्रा के लिए यात्री केवल उत्तरी कश्मीर बालटाल-गुफा के रास्ते से ही गंतव्य स्थान पर पहुंच सकेंगे। 651 तीर्थयात्रियों का एक और जत्था बुधवार सुबह 5¬30 बजे जम्मू शहर के भगवती नगर से 14 वाहनों के काफिले में उत्तरी कश्मीर के बालटाल शिविर के लिए रवाना हुआ। बता दें अमरनाथ यात्रा 29 जून को शुरू हुई थी और मंगलवार तक करीब पांच लाख श्रद्धालुओं ने बाबा बर्फानी के दर्शन किए हैं। पिछले साल 4.45 लाख लोगों ने अमरनाथ यात्रा की थी। पुलिस और सीएपीएफ समेत बड़ी संख्या में सुरक्षा बल जम्मू से दोनों बेस कैंप तक 350 किलोमीटर से ज्यादा लम्बे मार्ग पर तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के लिए 24 घंटे तैनात हैं। इसके अलावा यात्रियों की सुरक्षा के लिए पारगमन शिविरों, आधार शिविरों और गुफा मंदिर में पर्याप्त संख्या में सुरक्षाबलों को तैनात किया गया है। गुफा में बर्फ की एक संरचना है। भक्तों का मानना है कि यह बर्फ की संरचना भगवान शिव की पौराणिक शक्तियों का प्रतीक है। यह गुफा कश्मीर हिमालय में समुद्र तल से 3,888 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। भक्त या तो पारंपरिक दक्षिण कश्मीर पहलगाम मार्ग से या फिर उत्तर कश्मीर बालटाल मार्ग से गुफा मंदिर तक पहुंचते हैं।

बांग्लादेश में अराजकता ने महाराष्ट्र को बुरी तरह किया प्रभावित किया, करोड़ों का नुकसान

मुंबई। (एजेंसी)

बांग्लादेश में अशांति के कारण नासिक में प्याज निर्यात प्रभावित हुआ है। पिछले 48 घंटों से प्याज के ट्रक बॉर्डर पर फंसे हुए हैं. प्याज के मंगलवार आधी रात तक बांग्लादेश पहुंचने की उम्मीद थी. दरअसल नासिक से बांग्लादेश जाने वाले प्याज के हर दिन 80 ट्रक सीमा पर रोक दिए जाते हैं. अगर प्याज के ट्रक वहां फंस गए तो वह खराब हो जाएंगे। इससे व्यापारियों को करोड़ों का नुकसान हो सकता है. बांग्लादेश में हिंसा भड़की हुई है और सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है. जब घरों और दफ्तरों में आग लगाई जा रही हो तो बांग्लादेश जाना संकट में जाने जैसा है. केंद्र सरकार भी सुरक्षा के नजरिए से कदम उठा रही है. इस वजह से बांग्लादेश जाने वाले इन ट्रकों को सीमा पर रोक दिया गया है. बताया जा रहा है कि इस ट्रक में करीब 3 हजार टन प्याज है. भारत से हर साल बांग्लादेश को प्याज का निर्यात किया जाता है. 2023-24 में भारत से कुल प्याज निर्यात का 20.3 फीसदी बांग्लादेश भेजा गया. बांग्लादेश भारत के प्रमुख आयातकों में से एक है। लेकिन पिछले कुछ दिनों से बांग्लादेश में चल रही अराजकता का असर प्याज के निर्यात पर पड़ा है. भारत-बांग्लादेश सीमा पर प्याज के सैकड़ों ट्रक फंसे हुए हैं. नासिक से प्रतिदिन 70 से अधिक प्याज के ट्रक बांग्लादेश के लिए रवाना होते हैं। सीमा पर प्याज के ट्रक रोके जाने से व्यापारियों को करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ है. फंसे हुए प्याज को नजदीकी सीमा पर बेचे जाने की संभावना है.

- महाराष्ट्र में दरों पर असर?

फिलहाल राज्य में प्याज की कीमतें स्थिर हैं. आमद कम होने से बाजार भाव 2000 से 2700 के बीच है। लेकिन अगर प्याज का निर्यात नहीं किया गया तो इसका असर स्थानीय बाजार पर पड़ेगा. प्याज की आमद बढ़ने से प्याज की कीमतें गिर जाएंगी, जिससे प्याज किसानों को भारी नुकसान होगा। इसलिए अनुरोध किया जा रहा है कि केंद्र सरकार दूसरे देशों में प्याज के निर्यात पर अधिक ध्यान दे.

दिल्ली में मुख्यमंत्री नहीं आतिशी फहराएंगी तिरंगा

अरविंद केजरीवाल ने एलजी को लिखा पत्र

नई दिल्ली। (एजेंसी)

सीएम अरविंद केजरीवाल ने जेल से दिल्ली के एलजी वीके सक्सेना को एक पत्र भेजा है। पत्र में उन्होंने लिखा है कि इस बार 15 अगस्त को दिल्ली में दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी झंडा फहराएंगी। दरअसल दिल्ली में स्वतंत्रता दिवस पर हर साल दिल्ली सरकार छत्रसाल स्टेडियम में कार्यक्रम आयोजित करती है। जिसमें सीएम अरविंद केजरीवाल झंडा फहराते हैं, लेकिन इस बार सीएम केजरीवाल जेल में हैं। इसलिए उन्होंने अपनी कैबिनेट मंत्री आतिशी को झंडा फहराने की जिम्मेदारी सौंपी है। गौरतलब है कि दिल्ली हाईकोर्ट ने बीते सोमवार को सीबीआई द्वारा की गई सीएम केजरीवाल की गिरफ्तारी को सही ठहराया है।

हाईकोर्ट ने कहा था कि सीबीआई के कृत्यों में कोई दुर्भावना नहीं है, जिसने दिखाया है कि आप सुप्रीमो कैसे उन गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं, जो उनकी गिरफ्तारी के बाद ही गवाही देने का साहस जुटा सकते हैं। बता दें सीबीआई ने केजरीवाल को 26 जून को गिरफ्तार किया था जब वह ईडी द्वारा जांच किए जा रहे मनी लॉन्ड्रिंग मामले में न्यायिक हिरासत में थे। बाद में उन्हें ईडी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम जमानत दे दी थी, लेकिन सीबीआई मामले में उन्हें अभी तक जमानत नहीं मिली है, जिसके चलते वह जेल में ही हैं।

बांग्लादेश में हिंसा के बीच शुरु हुई भारतीय एयरलाइंस की उड़ानें

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

बांग्लादेश में तख्तापलट हो चुका है, लेकिन देश में बवाल कम होने का नाम नहीं ले रहा है। इस बीच तमाम एयरलाइंस ने अपनी उड़ने रोक दी थी। लेकिन अब कई भारतीय एयरलाइंस कंपनियों ने बड़ा ऐलान कर ढाका के लिए फिर से फ्लाइट सर्विस शुरू करने की तैयारी की है और बुधवार से ये उड़ानें संचालित की जाएगी। रिपोर्ट के मुताबिक, एयर इंडिया द्वारा ढाका से लोगों को वापस लाने के लिए एक विशेष उड़ान भी संचालित करने की संभावना है। एअर इंडिया ने मंगलवार को ढाका लिए सुबह की उड़ान रद्द की थी, लेकिन अपनी शाम की उड़ान संचालित की थी। इसके बाद बुधवार से विस्तारा और इंडिगो ने भी ढाका के लिए निर्धारित सेवाएं शुरू करने का ऐलान किया है। सूत्रों के मुताबिक, एअर इंडिया ने मंगलवार को देर रात ढाका एयरपोर्ट पर चुनौतियों के बावजूद शॉर्ट नोटिस पर एक स्पेशल चार्टर फ्लाइट संचालित की थी। यह ढाका से दिल्ली तक 199 यात्रियों और 6 बच्चों को लेकर आई।

रिपोर्ट में कहा गया है कि एअर इंडिया के अलावा टाटा ग्रुप की अधिकांश हिस्सेदारी वाली विस्तारा एयरलाइंस और इंडिगो भी ढाका के लिए अपनी निर्धारित उड़ानों का संचालन करेंगी। बता दें कि विस्तार मुंबई से रोजाना उड़ानें और दिल्ली से ढाका के लिए 3 साप्ताहिक उड़ानें संचालित करती है। वहीं आम तौर पर, इंडिगो दिल्ली, मुंबई और चेन्नई से ढाका के लिए एक दैनिक उड़ानें और कोलकाता से बांग्लादेश की राजधानी के लिए डेली दो फ्लाइट्स ऑपरेट करती है।

भारत-पाकिस्तान मिलकर बनाएं ननकाना साहिब के लिए कॉरिडोर

आप सांसद राघव चड्ढा ने संसद में रखी मांग

नई दिल्ली। पंजाब से आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने संसद में ननकाना साहिब कॉरिडोर का मुद्दा उठाया। उन्होंने देश की आजादी के बाद विभाजन की विभीषिका का भी जिक्र किया है। पाकिस्तान के पंजाब में चले गए गुरुद्वारा साहिब गिनाए और इनके दर्शन-दीदार के लिए, मत्था टेकने के लिए सरकार से कदम उठाने की मांग की। चड्ढा ने कहा कि 1947 में जब देश का बंटवारा हुआ, सिर्फ देश के ही दो टुकड़े नहीं हुए बल्कि दो टुकड़े हमारे सूबे पंजाब के भी हुए थे। लाखों पंजाबियों का खून बहा जिसमें हमारा परिवार भी था। उन्होंने कहा कि हमारे कई अपने, कई रिश्तेदार हमसे बिछड़ गए। सबसे बड़ी बात यह है कि हमारे गुरुद्वारा साहिब हमसे बिछड़ गए। चड्ढा ने करतारपुर साहिब से पंजाब साहिब तक, पाकिस्तान में स्थित गुरुद्वारों के नाम गिनाए और कहा कि इनमें एक बड़ी मुकद्दस जगह है जहां गुरुगोविंद सिंह जी का प्रकाश हुआ, श्री ननकाना साहिब। चड्ढा ने कहा कि यह लाहौर से करीब 90 किलोमीटर की दूरी पर है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से करतारपुर कॉरिडोर बनाकर संगत को दर्शन-दीदार का, मत्था टेकने का अवसर मिला, उसी प्रकार ननकाना साहिब के लिए भारत और पाकिस्तान दोनों देशों की सरकार मिलकर कॉरिडोर बनाएं जिससे श्रद्धालु वहां जाकर दर्शन कर सकें। उन्होंने कहा कि ननकाना साहिब के खुले दर्शन करने जाने के लिए कोई वीजा, पासपोर्ट, फीस या किसी कॉम्प्लिकेटेड फॉर्म की जरूरत ना हो इसके लिए एक सरल प्रक्रिया होनी चाहिए। चड्ढा ने कहा कि अमृतसर के अटारी वाघा बॉर्डर से श्रीननकाना साहिब की दूरी करीब 104 किलोमीटर है जिसे बस-गाड़ी से दो-ढाई घंटे में तय किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अमृतसर से लाहौर होते हुए ननकाना साहिब तक जाने वाले रास्ते को सेफ पैसेज बनाया जाए। उन्होंने कहा कि इसके लिए जो भी सहयोग होगा, आम आदमी पार्टी की सरकार करने के लिए तैयार है। इससे दुनिया में भाईचारे का एक बड़ा संदेश जाएगा और करोड़ो संगत की दुआएं दोनों देश की सरकारों को मिलेंगी।

संक्षिप्त समाचार

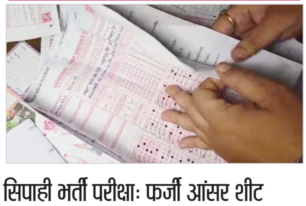

सिपाही भर्ती परीक्षा: फर्जी आंसर शीट मिली, मास्टरमाइंड समेत दस गिरफ्तार

पटना। बिहार में 38 जिलों में 545 सेंटर्स पर पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा जारी है। करीब 18 लाख छात्र इस परीक्षा में शामिल होंगे। परीक्षा 7 अगस्त से 28 अगस्त तक चलेगी। परीक्षा से पहले खगड़िया में फर्जी आंसर शीट और पेपर मिले हैं। मंगलवार देर रात पुलिस ने छापेमारी कर सॉल्वर गैंग के मास्टरमाइंड समेत दस लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को जानकारी मिली कि सॉल्वर गैंग के 90 छात्रों को एक मैरिज हॉल में इकट्ठा कर ओएमआर शीट पर पेपर सॉल्व करवा जा रहा है। मास्टरमाइंड परबत्ता प्रखंड के नयागांव का रहने वाला है। आरोपी दिवाकर कुमार ने परीक्षार्थियों से एक-एक लाख रुपए लिए थे। सभी छात्रों को पेपर देने की बात कही गई थी। पुलिस ने मैरिज हॉल से पकड़े गए सभी परीक्षार्थियों का सत्यापन कर परीक्षा में शामिल होने के लिए छोड़ दिया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। पुलिस को मौके पर से परीक्षा से जुड़े फर्जी ओएमआर सीट सहित कई पेपर भी मिले हैं। पटना के टीपीएस कॉलेज के पास गली में कुछ अभ्यर्थी मोबाइल से देखकर पर्ची पर कुछ नोट करते नजर आए। हालांकि, टीपीएस कॉलेज में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था थी। सदर एएसपी स्वीटी सहरावत खुद केंद्र पर पहुंची और जायजा लेती नजर आईं। वहीं, एएन कॉलेज परीक्षा केंद्र के पास भी एक महिला अभ्यर्थी मोबाइल से कुछ नोट करती देखी गई।

बांग्लादेश से 199 भारतीय सुरक्षित लौटे

नई दिल्ली। बांग्लादेश में फैली अराजकता के चलते वहां के हालात काफी खराब हैं जिसके चलते वहां रह रहे भारतीय वापस लौटने को मजबूर हैं। उन्हें वापस लाने के लिए एयर इंडिया बुधवार को दिल्ली से ढाका के लिए अपनी उड़ानें चलाएगा और बांग्लादेश की राजधानी ढाका से भारतीय लोगों को वापस लाने के लिए एक विशेष उड़ान भी संचालित करने की संभावना है। इसी बीच ढाका से एक एयर इंडिया की फ्लाइट दिल्ली पहुंची है। जिसमें करीब 199 भारतीय स्वदेश लौटे हैं। वहीं खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान बुधवार को बांग्लादेश लौट रहे हैं। वह शाम को ढाका में एक रैली में शामिल होंगे। तारिक रहमान कई सालों से लंदन में रह रहे थे।

गृह मंत्रालय से रिटायर्ड बुजुर्ग की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या

नई दिल्ली । ग्रेटर नोएडा में बदमाशों के हौंसले बुलंद है। यहां पार्क में टहलने आए बुजुर्ग की बदमाशों ने दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी। वह गृह मंत्रालय से रिटायर हुए थे। दिनदहाड़े बुजुर्ग की हत्या से ग्रेटर नोएडा में दहशत व्याप्त है। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस घटना की जांच में जुट गयी है। पुलिस के आला अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए है। पुलिस के अनुसार बुधवार सुबह अज्ञात बदमाशों ने एक बुजुर्ग व्यक्ति के ऊपर ताबड़तोड़ गोली चलाकर उनकी हत्या कर दी। 70 वर्षीय हरि प्रसाद सुबह पार्क में टहलने गए थे। बाइक सवार बदमाश वहां पहुंचे और हरि प्रसाद को पिस्तौल से गोली मार मौके से फरार हो गए। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने बुजुर्ग को अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। डीसीपी सेंट्रल नोएडा ने बताया कि पुलिस सोसाइटी के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की सहायता से बदमाशों की पहचान कराने का प्रयास कर रही है। बुजुर्ग की हत्या क्यों हुई इसकी जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि वह गृह मंत्रालय से रिटायर थे और मौजूदा समय में ग्रेटर नोएडा में रह रहे थे।

बांग्लादेश में उच्चायोग और वाणिज्य दूतावास में तैनात गैरजरूरी कर्मचारियों को बुलाया जाएगा वापस

मोदी सरकार ने एडवायजरी जारी की

नई दिल्ली । बांग्लादेश में जारी सियासी उठापटक के बीच भारतीय उच्चायोग और वाणिज्य दूतावास में तैनात गैरजरूरी कर्मचारियों को वापस बुलाने का फैसला लिया है। फैसले को लेकर मोदी सरकार ने एडवायजरी जारी की है। गौरतलब है कि बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना भारत में हैं। दूसरी ओर बांग्लादेश में हिंदुओं के घरों और मंदिरों पर हमले जारी हैं। इसके बाद स्थिति के संवेदनशील होने के बाद भारत ने पूरे घटनाक्रम पर करीब से नजर रखी है। ढाका में भारतीय उच्चायोग और वाणिज्य दूतावास में तैनात गैरजरूरी कर्मचारियों और उनके परिवारों की वापसी वाणिज्यिक उड़ान के द्वारा हुई है। बांग्लादेश में फंसे भारतीयों को वापस लाने एयर इंडिया और इंडिगो ने ढाका के लिए विशेष उड़ानें संचालित कीं। इसके द्वारा 400 से अधिक लोगों को भारत लाया गया। अधिकारी ने बताया कि एयर इंडिया की विशेष उड़ान से बुधवार सुबह छह बच्चों सहित 205 लोगों को भारत लाया गया। इंडिगो ने भी एक बयान जारी कर कहा कि ए321 नियो विमान से संचालित चार्टर्ड उड़ान मंगलवार रात ढाका से रवाना हुई थी और इसके जरिये छह बच्चों व 199 वयस्कों सहित 205 लोगों को भारत लाया गया।

हरियाणा के सालाना बजट से ज्यादा मोदी सरकार के खजाने में दिए मुकेश अंबानी ने

रिलायंस इंडस्ट्रीज ने 1,86,440 करोड़ रुपये का योगदान दिया

नई दिल्ली । (एजेंसी)

भारत और एशिया के सबसे अमीर कारोबारी मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज ने वित्त वर्ष 2023-24 में सरकारी खजाने में कुल 1,86,440 करोड़ रुपये का योगदान दिया है। यह पिछले साल के मुकाबले 9 हजार करोड़ रुपये अधिक है। वित्तीय साल 2023-24 में हरियाणा का बजट 183,950 करोड़ रुपये था। कंपनी ने इस दौरान सीएसआर मद में कुल 1,592 करोड़ रूपये खर्च किए, जो पिछले वित्त वर्ष से 300 करोड़ अधिक है। मुनाफा कमाने में भी कंपनी शीर्ष पर रही। वित्त वर्ष 2023-24 में टैक्स के बाद लाभ 79 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा रहा। यह पिछले वित्त वर्ष से 7.3 प्रतिशत अधिक रहा। पिछले साल कंपनी का प्रॉफिट 73 हजार 670 करोड़ रुपये रहा था।

देश की अर्थव्यवस्था में रिलायंस का योगदान काफी अहम रहा है। रिलायंस वित्तीय साल 2023-24 में 20 लाख करोड़ रुपये का बाजार पूंजीकरण का आंकड़ा पार करने वाली देश की पहली कंपनी बनी है। बीते वित्त वर्ष की तुलना में यह 27 फीसदी उछाल है। मार्केट कैपिटालाइजेशन के मामले में रिलायंस दुनिया की 48वीं कंपनी है। वहीं कंसोलिडेटेड रेवेन्यू में भी रिलायंस ने 10 लाख करोड़ रुपये के मुकाम को पार कर लिया है। निर्यात में भी रिलायंस देश की रीढ़ मजबूत कर रहा है। पिछले वित्त वर्ष में रिलायंस ने करीब 3 लाख करोड़ रूपये का निर्यात किया। निर्यात ही नहीं देश में पूंजीगत परिसंपत्तियों के निर्माण में भी रिलायंस निजी क्षेत्र के सबसे बड़े योगदानकर्ताओं में से एक है। वार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक रिलायंस ने वित्त वर्ष 2023-24 में 1 लाख 35 हजार करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और एमडी मुकेश अंबानी ने कहा कि पिछले दशक में वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में भारत का महत्व कई गुना बढ़ गया है। अस्थिरता और अनिश्चितता की इस दुनिया में, भारत स्थिरता और समृद्धि के प्रतीक के रूप में चमक रहा है। सभी क्षेत्रों में मजबूत विकास 140 करोड़ भारतीयों के सामूहिक प्रयास का नतीजा है।

गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित करे सरकार......गुजरात से कांग्रेस सांसद की मांग

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने जाहिर की खुशी

अहमदाबाद। (एजेंसी)

गुजरात में कांग्रेस की इकलौती लोकसभा सदस्य गेनीबेन ठाकोर द्वारा लोकसभा में गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित करने का मुद्दा उठाने पर शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने प्रसन्नता जाहिर की है। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा है कि गेनीबेन ने चुनावों से पहले जो वादा किया था। उस वादे को पूरा किया है। ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा है कि उन्होंने अपनी पार्टी लाइन से हटकर गाय को राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग लोकसभा में उठा दी है। इसके बाद वे अब भारत के 100 करोड़ सनातन धर्मियों की नेता बन गई हैं।

2024 लोकसभा चुनावों में गेनीबेन ठाकोर गुजरात की बनासकांठा सीट से जीती थी। 2014 और 2019 में कांग्रेस पार्टी को गुजरात में एक भी सीट नहीं मिली थी। 2024 में कांग्रेस के खाते में बनासकांठी की सीट आई थी। गेनीबेन ने लोकसभा में यह मुद्दा उठाया था। इसके साथ गेनीबेन ठाकोर ने पशुपालन और गौ-रक्षा को मुद्दा उठाया था। तब उन्होंने ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद की मांग का उल्लेख लोकसभा में किया था।

ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने गाय को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने के लिए पदयात्रा की थी। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि गेनीबेन ने साबित किया कि आखिर कोई तो हैं जो गौमाता की आवाज उठा सकता है।

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की हत्या की साजिश का खुलासा-मचा हड़कंप

वॉशिंगटन।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या के लिए बनाई जा रही योजना का पर्दाफास हुआ है। योजना के तहत ईरान ने पाकिस्तानी नागरिक को ट्रंप की हत्या के लिए हायर किया था। अमेरिकी न्याय विभाग ने पाकिस्तानी व्यक्ति आसिफ रजा मर्चेंट (46) पर आरोप लगाया है कि वह राजनीतिक हत्याओं को अंजाम देने की कोशिश कर रहा था। उसके ईरानी सरकार से संबंध हैं। इस जानकारी के सामने आने के बाद अमेरिकी सरकार ने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अन्य अधिकारियों की सुरक्षा बढ़ा दी है। मामले की जानकारी रखने वाले एक अधिकारी के हवाले से बताया है कि डोनाल्ड ट्रंप और पूर्व अमेरिकी अधिकारी इस साजिश का निशाना थे। बता दें कि एफबीआई ने कथित हत्या की साजिश का खुलासा ऐसे समय में किया है, जब कुछ सप्ताह पहले ही पेन्सिलवेनिया में एक 20 वर्षीय युवक ने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप पर एक रैली में गोली चलाई थी। इस हमले में ट्रंप की जान जाते-जाते बची थी। गोली पूर्व राष्ट्रपति के कान को छूते हुए निकली थी। ट्रंप ने खुद को जिंदा बचने को भगवान का चमत्कार कहा था। सीक्रेट सर्विस के अधिकारियों ने हमलावर को तुरंत मार गिराया था। एक अधिकारी ने सीएनएन को बताया कि जांचकर्ताओं को इस बात के सबूत नहीं मिले हैं, पेन्सिलवेनिया में हुई गोलीबारी से मर्चेंट का कोई संबंध था।अमेरिकी न्याय विभाग के अनुसार, ब्रुकलिन में एक शिकायत दर्ज की गई है, जिसमें आसिफ मर्चेंट पर हत्याओं को अंजाम देने के लिए अगस्त के अंत या सितम्बर की शुरुआत में हत्याओं को अंजाम देने के लिए न्यूयॉर्क शहर की यात्रा करने और एक हत्यारे के साथ काम करने का आरोप है। कोर्ट के दस्तावेजों के अनुसार, मर्चेंट ने बताया कि अमेरिका में उन लोगों को निशाना बनाना चाहता था, जो पाकिस्तान और (मुस्लिम) दुनिया को

संकेत- चीन को समर्पित हो सकती है बांग्लादेश की नई सरकार

ढाका ।

पड़ोसी देशों के साथ हमारी सीमाएं लगती हैं, वहां राजनीतिक अस्थिरता होना अच्छा नहीं है। इससे राजनयिक ही नहीं बल्कि व्यापारिक रिश्ते और नागरिक संबंध भी प्रभावित होते हैं। बांग्लादेश के साथ भारत सबसे लंबी 4096 किलोमीटर की भूमि सीमा साझा करता है। इसी प्रकार यदि राजनयिक संबंधों की बात करें तो भारत पहला देश था, जिसने उसके अस्तित्व में आने के बाद 1971 में राजयनिक संबंध स्थापित किए। बांग्लादेश में बगावत भारत के लिए अच्छी खबर नहीं है। ऐसा दो कारणों से है। एक इससे भारत-बांग्लादेश के द्विपक्षीय संबंध कुछ हद तक प्रभावित होंगे। दूसरे वहां बनने वाली नई सरकार का झुकाव चीन की तरफ होने की आशंका व्यक्त की जा रही है। सेना की अंतरिम सरकार से भी वैसे संबंधों की उम्मीद नहीं की जा सकती है जैसे शेख हसीना के नेतृत्व वाली सरकार से थी।भविष्य में अगर वहां शेख हसीना की बांग्लादेश अवामी लीग पार्टी सरकार नहीं बनाती है और कोई दूसरी पार्टी सरकार बनाती है तो यह आशंका है कि उसका झुकाव चीन की तरफ हो सकता है। तीसरी, आशंका यह है कि बांग्लादेश में कट्टरपंथी तत्वों की सक्रियता बढ़ सकती है, जिन्हें शेख हसीना के शासन में काफी हद तक नियंत्रण में रखा गया था। उन्हें नियंत्रित करना बांग्लादेश सरकार का जिम्मा होगा, लेकिन परोक्ष रूप से वह भारतीय जनमानस को थोड़ा-बहुत प्रभावित कर सकते हैं।जहां तक शेख हसीना के भारत के रास्ते लंदन रवाना होने की बात है, इस बात से बांग्लादेश के साथ संबंधों पर असर नहीं पड़ेगा।

भारत ने उन्हें यहां रहने की अनुमति नहीं देकर सिर्फ उतना ही किया जितना एक राजयनिक प्रोटोकॉल के तहत किया जा सकता था। इसलिए बांग्लादेश की नई सरकार के रुख पर इसका कोई असर नहीं होगा।

हालांकि पिछले पांच दशकों में बांग्लादेश की राजनीति में उतार-चढ़ाव आए और फौजी राष्ट्रपति के हाथ में भी कमान रही, लेकिन भारत-बांग्लादेश संबंधों में ज्यादा उतार-चढ़ाव नहीं दिखा। इसलिए इस घटना को भी विशेषज्ञ अच्छा तो नहीं मानते हैं, लेकिन बहुत निराश नहीं हैं।रक्षा विशेषज्ञो की का कहना है कि कहा कि शेख हसीना भारत समर्थक और लंबे समय से सत्ता में थी। इससे पूर्व भी जब 2001 तक वह सत्ता में थी तो भारत के साथ रिश्ते प्रगाढ़ हुए थे।

इजरायली हमले में हिजबुल्लाह के पांच लड़ाके मारे गए

तेलअवीव

एक ओर गाजा में हमास, दूसरी ओर लेबनान में हिजबुल्लाह और इजरायल के बीच संघर्ष लगातार जारी है। इजरायली सेना इन दोनों मोर्चों पर जंग लड़ रही है। वहीं तीसरा मोर्चा ईरान के साथ शुरू होने की प्रबल संभावना है। दक्षिण लेबनान में इजरायली हमले में हिजबुल्लाह के पांच लड़ाके मारे गए हैं। इनमें एक बड़े कमांडर अली जमाल अलदीन जवाद का नाम भी शामिल है। उसके मरने से हिजबुल्लाह की दक्षिणी लेबनान से उत्तरी इजरायल के खिलाफ आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा देने और उन्हें अंजाम देने की क्षमता में काफी कमी आई है।

हमले के बाद लेबनान की तरफ से भी ड्रोन और रॉकेट की बौछार कर दी गई है। हमले में बड़ी संख्या में इजरायलियों के घायल होने की सूचना है। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आईडीएफ का दावा है कि लेबनान की ओर से किए गए ड्रोन अटैक को आयरन डोम के जरिए नेस्तनाबूद कर दिया गया है।हालांकि, कुछ ड्रोन इजरायली इलाके में गिरने की पुष्टि की गई है, जिससे बड़ी संख्या में लोग हताहत हुए हैं। इस बीच ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड के कमांडर होसैन सलामी ने इजरायल को कड़ी सज़ा देने की बात कही है। इस मौके पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नासिर कनानी ने कहा कि ईरान क्षेत्र में तनाव नहीं बढ़ाना चाहता, लेकिन इजरायल ने उनकी कोशिशों को नाकाम कर दिया है।

इजराइल से युद्ध को तैयार ईरान की मदद करेगा पाकिस्तान

येरुशलम।

इजराइल के साथ युद्ध के मुहाने पर खड़े ईरान को पाकिस्तान से अहम हथियार मिलने जा रहे हैं। येरुशलम पोस्ट ने स्त्रोतों के हवाले से दावा किया है कि ईरान का अगर इजराइल के साथ संघर्ष बढ़ता है तो पाकिस्तान उसे मीडियम रेंज की शाहीन-3 बैलिस्टिक मिसाइलों की आपूर्ति करेगा। ईरानी विदेश मंत्रालय ने बताया है कि ईरान और पाकिस्तान की ओर से गुजारिश किए जाने के बाद ये बैठक हुई है। 57 इस्लामिक देशों का प्रतिनिधित्व करने वाला ओआईसी खुद को मुस्लिम दुनिया के प्रतिनिदि संगठन के तौर पर पेश करता है। इसमें अरब देशों के साथ ही ईरान, पाकिस्तान और तुर्की जैसे प्रभावशाली गैर-अरब देश भी शामिल हैं। इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) के विदेश मंत्रियों की बैठक में पाकिस्तान की ओर से ये जानकारी दी गई है। ओआईसी की आपातकालीन बैठक ईरान और पाकिस्तान के अनुरोध पर सऊदी अरब में हुई है। सऊदी ओआईसी प्रतिनिधि ने बताया है कि तटीय शहर जेद्दा में हुई बैठक में इजरायल के फिलिस्तीन पर कब्जे और हानिया की हत्या पर चर्चा की गई।

पाकिस्तान की ओर से ईरान मिसाइल दिए जाने के वादे के दावे से पहले रूस से भी तेहरान को हथियार मिले हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक गेलिक्स एयरलाइंस का एक रूसी आईएल-76टीडी कार्गो विमान 2 अगस्त को तेहरान हवाई अड्डे पर उतरा है। यह एयरलाइन हथियारों के ट्रांसपोर्ट के लिए जानी जाती है। ऐसे में रूस से ईरान में बड़ी संख्या में हथियार आने का दावा किया जा रहा है। इस बीच द वॉल स्ट्रीट जर्नल में मंगलवार को प्रकाशित एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरान सैन्य अभ्यास कर रहा है। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा है कि ये आने वाले दिनों में इजरायल पर हमले की तैयारी है। अमेरिकी अधिकारियों को अभी भी नहीं पता है कि हमला कैसा हो सकता है या सटीक समय सीमा क्या हो सकती है।

एक ईरानी सूत्र के हवाले से यह भी कहा गया है कि हमला बुधवार या गुरुवार को हो सकता है।

हमास के नए चीफ ने, इजराइल पर हमले में निभाई थी बड़ी भूमिका

तेहरान। 31 जुलाई को ईरान की राजधानी में तड़के एक हमले में हमास के नेता इस्माइल हानिया की हत्या कर दी गई थी। ईरान और उग्रवादी समूह हमास ने बुधवार को यह जानकारी दी। ईरान के राष्ट्रपति के शपथग्रहण में शिरकत के बाद हुई हानिया की हत्या के लिए ईरान और हमास ने इजराइल को जिम्मेदार ठहराया है। फिलिस्तीनी उग्रवादी समूह हमास ने कहा कि उसने याह्या सिनवार को अपना नया नेता चुना है। सिनवार पिछले वर्ष सात अक्टूबर को इजराइल पर किए गए हमलों का मुख्य साजिशकर्ता है। हमास ने एक बयान में बताया कि उसने सिनवार को अपने राजनीतिक ब्यूरो का नया प्रमुख नियुक्त किया है। सिनवार इस्माइल हनियेह की जगह लेंगे। हनियेह पिछले सप्ताह ईरान में एक कथित इजरायली हमले में मारे गए थे। पिछले वर्ष सात अक्टूबर को दक्षिणी इजरायल पर हमास द्वारा किए गए हमले के बाद से सिनवार सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आए हैं। पिछले वर्ष हुए हमले में उग्रवादियों ने 1,200 लोगों की हत्या कर दी थी और लगभग 250 लोगों को बंधक बना लिया था। इस हमले के बाद इजरायल ने गाजा पर सैन्य अभियान शुरू किया था। हमास ने अपने राजनीतिक ब्यूरो के प्रमुख हनियेह की मौत के लिए इजरायल के हवाई हमले को जिम्मेदार ठहराया था। वहीं, ईरान के अर्धसैनिक बल रिवोल्यूशनरी गार्ड ने कहा कि वह हनियेह की हत्या की जांच कर रहा है।

ईसाई देश बनाने का सपना देखने वाला वाइट मैन छिपा है तख्तापलट के पीछे!

शेख हसीना 3 माह पहले बता चुकीं थीं राजनीतिक पतन की कहानी

ढाका।

बांग्लादेश हो चल रही खूनी हिंसा के पीछे की कई कहानियां निकलकर आ रहीं हैं। कभी कहा जाता है कि पाकिस्तान और चीन इस हिंसा के पीछे काम कर रहा है लेकिन इसके पीछे एक वाइट मैन भी छिपा हुआ है। हसीना के दुखद राजनीतिक अंत की शुरुआत मई में तब शुरू हो गई थी जब उन्होंने इसका सार्वजनिक तौर पर जिक्र किया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि उनकी सरकार को गिराने की साजिश रची जा रही है। तब हसीना ने कहा था- अगर में इस खास देश को एयरबेस बनाने की इजाजत दे देती हूं तो मेरे लिए कोई परेशानी नहीं होगी। कौन है सवाल के जवाब पर तब हसीना ने अमेरिका का नाम खुलकर तो नहीं लिया, लेकिन कहा कि वाइट मैन से उन्हें ऐसी धमकियां मिल रही हैं। शेख हसीना ने बांग्लादेश में तख्तापलट से तीन महीने पहले ही अपने दुखद राजनीतिक पतन की भविष्यवाणी कर दी थी। उन्होंने दावा किया था कि उनकी सरकार को गिराने के लिए षड्यंत्र रचे जा रहे हैं और उनके पिता और स्वतंत्रता नायक शेख मुजीबुर रहमान की तरह उनकी भी हत्या की जा सकती है। उन्होंने बांग्लादेश और म्यांमार को मिलाकर एक नया ईसाई देश बनाने की वाइट मैन की साजिश का भी आरोप लगाया था।हसीना ने मई में कहा था, अगर मैं किसी खास देश को बांग्लादेश में एयरबेस बनाने की इजाजत देती, तो मुझे कोई दिक्कत नहीं होती। उन्होंने कहा कि यह प्रस्ताव एक वाइट मैन की ओर से आया था, लेकिन उन्होंने किसी देश का नाम नहीं बताया। हालांकि उनकी बातों से साफ अंदाजा लगाया जा सकता है कि वे अमेरिका की तरफ इशारा कर रही हैं। हसीना के मुताबिक, उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, अभी और परेशानी होगी।हसीना ने आरोप लगाया कि बांग्लादेश और म्यांमार को ईसाई देश बनाने का दबाव डाला जा रहा था। हसीना के मुताबिक, उन्होंने कहा था, पूर्वी तिमोर की तरह। वे बांग्लादेश (चटगाँव) और म्यांमार के कुछ हिस्सों पर कब्जा करके बंगाल की खाड़ी में अपना आधार बनाकर एक ईसाई देश बनाएंगे। हालांकि, उन्होंने (हसीना) किसी भी दबाव के आगे न झुकने की कसम खाई थी। गौरतलब है कि बांग्लादेश में पिछले दो महीनों से कोटा में आरक्षण को लेकर छात्रों का उग्र प्रदर्शन चल रहा था। हालांकि दो दिन पहले अचानक प्रदर्शन ने हिंसक रूप ले लिया और अराजकता फैल गई।

नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. यूनुस अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार

ढाका

बांग्लादेश में इन दिनों आगजनी और भीषण हिंसा हो रही है। प्रधानमंत्री शेख हसीना इस्तीफा देकर देश छोड़कर चली गई हैं। इस बीच बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने मौजूदा संसद को भंग करने का ऐलान किया है। देश में जल्द ही अंतरिम सरकार का गठन होगा। इस दौरान जमात-ए-इस्लामी और छात्र शिबिर ने अपने कार्यकर्ताओं को हिंदू मंदिरों और अल्पसंख्यकों के अन्य धार्मिक स्थलों की सुरक्षा करने को कहा है।

वहीं भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन के कोऑर्डिनेटर छात्र समूह ने एक नया वीडियो जारी किया। जिसमें कहा है कि नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ.मोहम्मद यूनुस अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार होंगे।

अंतरिम सरकार के अन्य सदस्यों के नामों के प्रस्ताव भी साझा किए जाएंगे।

रिपोर्ट के अनुसार, छात्र आंदोलन के प्रमुख कोऑर्डिनेटर में से एक नाहिद इस्लाम ने कहा कि उन्होंने पहले ही डॉ. यूनुस से बात की है। देश के मौजूदा हालात देखकर उन्होंने अपनी सहमति दे दी है। बता दें कि पड़ोसी देश बांग्लादेश में आगजनी और भीषण हिंसा के बीच भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर भारतीय सुरक्षा बल (बीएसएफ) अलर्ट पर है। बीएसएफ के डीजी दलजीत चौधरी लगातार दूसरे दिन भारत-बांग्लादेश बॉर्डर के दौरे पर हैं। बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने ऐलान किया है कि संसद को भंग कर जल्द ही देश में अंतरिम सरकार बनाई जाएगी।

यूनुस ने संभाली बांग्लादेश की कमान

नहीं थम रही खूनी हिंसा, अवामी लीग के 20 से अधिक नेताओं को मार डाला

ढाका बांग्लादेश अब एक कट्टरपंथी देश की तरफ बढ़ रहा है। यहां शेख हसीना सरकार का तख्तापलट दिया गया और देश नए मुखिया यूनुस ने कमाल संभाल ली है। इसके बाद भी यहां हिंसा का तांडव नहीं थम रहा है। उपद्रवी न किसी कानून को मान रहे हैं और न ही सरकार की सुन रहे हैं केवल हिंसा पर उतारु हैं। इसी के चलते उन्होंने अवामी लीग के 20 से अधिक नेताओं को मार डाला। देशभर में अवामी लीग और उसके सहयोगी संगठनों के कम से कम 20 नेताओं और उनके परिवार के सदस्यों के शव बरामद किए गए। शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने और देश छोड़ने के बाद से सतखीरा में हुए हमलों और हिंसा में कम से कम 10 लोग मारे गए। अवामी लीग के नेताओं और कार्यकर्ताओं के घरों में तोड़फोड़ और लूटपाट की गई।प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि सोमवार को गुस्साई भीड़ ने इलाके में शाह आलम के घर पर हमला कर दिया। कुछ लोग घर की तीसरी मंजिल पर चढ़ गए। इस बीच भीड़ ने घर के ग्राउंड फ्लोर में आग लगा दी। बाद में तीसरी मंजिल पर शरण लिए लोगों की धुएं के कारण जलकर मौत हो गई। इस घटना में कम से कम 10 लोग घायल हो गए। इनमें से एक गंभीर रूप से घायल का आईसीयू में इलाज चल रहा है। कोमिला में भीड़ के हमलों में कम से कम 11 लोग मारे गए। अशोकतला में पूर्व पार्षद मोहम्मद शाह आलम के तीन मंजिला घर में उपद्रवियों द्वारा आग लगा दिए जाने से छह लोगों की मौत हो गई। उनके शव सोमवार रात और मंगलवार सुबह घर से बरामद किए गए। इनमें पांच किशोर भी शामिल हैं।वहीं, नटोर-2 (सदर और नालडांगा) निर्वाचन क्षेत्र के सांसद शफीकुल इस्लाम शिमुल के घर पर गुस्साई भीड़ द्वारा लगाई गई आग में चार लोगों की मौत हो गई। मंगलवार सुबह सांसद के घर जन्नती पैलेस के कई कमरों, बालकनियों और छतों पर शव मिले। प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय निवासियों के अनुसार शेख हसीना के इस्तीफे की खबर सुनने के बाद गुस्साई भीड़ ने सांसद शफीकुल के घर में आग लगा दी थी। घर के बगल में उनके छोटे भाई की पांच मंजिला इमारत और सांसद के पुराने घर में भी आग लगा दी गई। तीनों घरों में लूटपाट की गई।फेनी में स्थानीय लोगों ने जुबा लीग के दो नेताओं के शव बरामद किए। इनमें से जुबा लीग के नेता मुशफिकुर रहीम का शव सोनागाजी उपजिला में एक पुल के नीचे मिला। मुशफिकर धलिया यूनियन जुबा लीग के कार्यालय सचिव थे। फेनी सदर उपजिला में सुबह जुबा लीग के एक अन्य नेता बादशा मिया का शव मिला। लालमोनिरहाट में स्थानीय लोगों ने जिला एएल संयुक्त महासचिव सुमन खान के घर से छह शव बरामद किए।

कौन हैं शेख रेहाना......जिनकी बेटी हैं ब्रिटिश सांसद

ढाका बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद शेख हसीना ने बांग्लादेश छोड़कर भारत में शरण ली हैं। शेख हसीना के साथ उनकी बहन शेख रेहाना भी हैं। शेख हसीना अपनी बहन के साथ ही लंदन में शरण लेने की तैयारी में है। कौन हैं शेख रेहाना? शेख रेहाना, हसीना की छोटी बहन हैं। वैसे शेख हसीना के परिवार में अन्य सदस्य भी थे, लेकिन 1975 में उन सभी की हत्या कर दी गई थी। तब शेख हसीना बांगलादेश में नहीं थीं और उस वक्त अपने पति वाजिद मियां और छोटी बहन शेख रेहाना के साथ जर्मनी में थी। इस वजह से दोनों बहनों की जान बच गईं। रेहाना का जन्म 13 सितंबर 1955 में हुआ था और वहां बांग्लादेश के फादर कहे जाने वाले शेख मुजीबुर रहमान के परिवार की सबसे छोटी बेटी हैं। शेख रेहाना की शुरुआती पढ़ाई लिखाई शाहीन स्कूल से हुई। 1971 में जब बांग्लादेश का मुक्ति संग्राम शुरू हुआ तब पाकिस्तानी फौज ने शेख रेहाना को भी नजरबंद कर दिया था।

साल 1975 में परिवार में कई सदस्यों की हत्या होने के बाद वे जर्मनी से भारत आई थीं। तब दोनों बहने करीब 6 साल तक भारत में रही थीं।

इसके बाद बांग्लादेश गई थीं। रेहाना पारिवारिक पार्टी में भले ही सक्रिय नहीं रहीं, उन्होंने पर्दे के पीछे से पार्टी के लिए काफी काम किया है।परिवार में कौन कौन हैं?शेख रेहाना की शादी शफीक सिद्दीकी से हुई थी, जिनका शिक्षा के क्षेत्र में अहम योगदान माना जाता है। शफीद सिद्दीकी ढाका यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर रहे हैं और वे ढाका कॉमर्स कॉलेज की गवर्निंग बॉडी के चेयरमैन भी हैं। रेहाना के तीन बच्चे हैं, एक बेटा और दो बेटी। उनके बेटे का नाम रादवान सिद्दीकी है जबकि बेटी का नाम टुली सिद्दीकी और अजमीना है। रादवान ढाका में ही एक इंटरनेशनल संस्थान में काम करते हैं।

क्रिप्टो-केंद्रित मतदाताओं को लुभाने में जुटे ट्रंप

न्यूयॉर्क

डोनाल्ड ट्रम्प ने क्रिप्टो सम्मेलन में भीड़ से कहा कि अपना बिटकॉइन कभी न बेचें। ट्रंप का भाषण नवंबर के चुनाव से पहले क्रिप्टो-केंद्रित मतदाताओं को आकर्षित करने के उनके प्रयास में नवीनतम प्रस्ताव था और उन्होंने राज्य बिटकॉइन रिजर्व की योजना सहित कई अभियान वादे पेश किए। ट्रम्प ने कहा कि यदि निर्वाचित होते हैं, तब यह मेरे प्रशासन की नीति होगी कि अमेरिकी सरकार वर्तमान में जो भी बिटकॉइन रखती है या भविष्य में अर्जित करती है, उसका 100 प्रतिशत अपने पास रखेगी। यह धनराशि रणनीतिक राष्ट्रीय बिटकॉइन भंडार के मूल के रूप में काम करेगी।

दरअसल, ट्रंप इकलौते नहीं हैं। अमेरिकी सीनेटर सिंथिया लुमिस ने कानून पेश किया है जिसके तहत अमेरिकी सरकार

एक मिलियन बिटकॉइन खरीदेगी, जो कुल आपूर्ति का लगभग 5 प्रतिशत है, जबकि स्वतंत्र उम्मीदवार रॉबर्ट एफ कैनेडी जूनियर ने चार मिलियन बिटकॉइन के सरकारी भंडार का सुझाव दिया है। रणनीतिक रिज़र्व अमेरिकी सरकार द्वारा रखी गई बड़ी मात्रा में बिटकॉइन का एक उपयोग होगा। हालाँकि, जूरी इस पर निर्णय नहीं ले रही है कि इसका उपयोग किस लिए किया जाएगा, क्या यह संभव है, या क्या यह व्यापक क्रिप्टो बाजार के लिए स्वागतयोग्य है।

रिपोर्ट के अनुसार अमेरिकी सरकार के पास क्रिप्टो का बंपर कैश है। लगभग 11.1 बिलियन डॉलर मूल्य जिसमें 203,239

बिटकॉइन टोकन शामिल हैं, जिसमें कहा गया है कि यह ढेर आपराधिक बरामदगी से आया है, जिसमें ऑनलाइन मार्केटप्लेस सिल्क रोड भी शामिल है, जिसे 2013 में बंद कर दिया गया था।

बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या, उनके घरों में लूट और मंदिरों में लगाई जा रही है आग

ढाका ।

बांग्लादेश में अराजकता चरम पर है। यहां उपद्रवी न सेना की सुन रहे हैं और न ही किसी सरकारी अधिकारी की। वे सिर्फ हिंदुओं को टारगेट कर उनकी हत्या कर रहे हैं और उनके घरों में आग लगा रहे हैं। अब देश के 39 जिलों में इस तरह की घटनाएं हो चुकी है। वर्ल्ड हिंदू फेडरेशन के बांग्लादेश चैप्टर के अनुसार बांग्लादेश में पिछले 24 घंटों में 39 जिलों के हिंदुओं को टारगेट कर उनकी हत्या की गई है। उनके घर और मंदिरों में न केवल तोड़फोड़ और लूटपाट की गई, बल्कि उनमें आग भी लगा दी गई, उनके घरों से महिलाओं लड़कियों को जबरन उठा लिया जा रहा है। रिपोर्ट में बताया गया कि इन हमलों में हिंदू नेताओं को टारगेट किया जा रहा है। वह जान बचाने के लिए इधर से उधर भागते फिर रहे हैं।बांग्लादेश में पिछले कई महीने से लागातार विरोध प्रदर्शन हो रहा था, लेकिन सोमवार, 4 अगस्त को मामला काफी बिगड़ गया जब प्रधानमंत्री शेख हसीना ने पद से इस्तीफा दे कर देश छोड़ दिया। उग्रवादियों ने संसद और प्रधानमंत्री आवास पर कब्जा जमा लिया और लूटपाट किया। लेकिन, हसीना सरकार के जाने के बाद जिसे ज्यादा नुकासान उठाना पड़ा वह बांग्लादेशी हिंदुओं को। शेख हसीना के देश छोड़कर भाग जाने के बाद देश के कई हिस्सों में हिंसा की घटनाओं में रातों-रात 100 और लोगों की हत्या कर दी गई। राजनीति से जुड़े हिंदू नेताओं को निशाना बनाया जा रहा है और वह अपनी जान बचाने के लिए भाग रहे हैं। वर्ल्ड हिंदू फेडरेशन के बांग्लादेश चैप्टर के मुताबिक ताजा हिंसा में अब तक 39 जिलों में हिंदू नेताओ की हत्या की गई है। रंगपुर में दो हिंदू काउंसलर की हत्या। अवामी लीग से जुड़े हराधन राय की हत्या। काउंसलर काजल रॉय की हत्या। और शेरपुर में श्रीबर्दी उपजिला यूथ काउंसिल के अध्यक्ष के घर पर हमला, तोड़फोड़ और लूट की गई। खुलना में कई हिंदुओ और नेताओ के घर पर हमला और तोड़फोड़ कर सामान लूट ले गए। हमलावरों ने फेनी में बासपारा दुर्गा मंदिर में लूटपाट कर आग लगा दी और पांच हिंदू दुकानों में भी लूटपाट की और आग लगा दी। दिनाजपुर में फुलथाला हिंदू श्मशान घाट पर कब्जा कर लिया जबकि परबातीपुर का काली मंदिर समेत पांच मंदिरों में तोड़फोड़ कर दी।

उपद्रवियों ने लक्ष्मीपुर में व्यावसायिक दीपक शाह के घर और दफ्तर पर हमला बोल दिया। ऐसी ही घटना अग्रपुर गांव के नकुल कुमार और सुहसंता चक्रबर्ती के साथ हुई। ऐसी एक नहीं सैकड़ों घटनाएं हैं।

संपादकीय

पड़ोस से सबक

बांग्लादेश के घटनाक्रम पर भारत की सतर्कता और समझदारी की सराहना करनी चाहिए। सरकार ने संसद में कोई बयान देने से पहले बांग्लादेश के विषय पर जिस तरह सर्वदलीय बैठक का आयोजन किया है, वह अनुकरणीय है। विपक्ष के लगभग सभी महत्वपूर्ण नेताओं की भी प्रशंसा करनी चाहिए कि सभी ने बैठक में भाग लिया और अपनी-अपनी बात रखी। किसी भी विवादित विषय पर कोई निर्णय लेने से पहले सर्वसम्मति बनाने की चेष्टा सजीव लोकतंत्र का वही गुण है, जिसका अभाव बांग्लादेश में अक्सर उभरता रहा है। किसी भी लोकतांत्रिक देश को ऐसी स्थिति में कतई नहीं फंसना चाहिए, जहां सियासी पार्टियों के बीच दूरियां इस कदर बढ़ जाएं कि फौज दखल देने को मजबूर हो जाए। वाकई अगर बांग्लादेश में सत्ता पक्ष और विपक्ष को अपनी-अपनी सीमाओं का अंदाजा होता, तो यह नौबत नहीं आती। अब ऐसी नौबत आ ही गई है, तो कोशिश होनी चाहिए कि कम से कम खूनखराबा न हो। बहुत अफसोस की बात है कि शेख हसीना के देश से पलायन के बावजूद वहां हिंसा थमी नहीं है और कथित रूप से 100 से ज्यादा लोग मारे गए हैं। यह एक बड़ा सवाल है कि वहां छात्रों को अब क्या नाराजगी है? क्या बांग्लादेश में छात्रों के नाम पर असामाजिक तत्वों ने फिर फन फैला लिया है? भारत ने ही नहीं, संयुक्त राष्ट्र ने भी स्पष्ट कहा है कि हिंसा तत्काल रुकनी चाहिए और जल्द से जल्द अंतरिम सरकार का गठन होना चाहिए। सरकार का एक व्यवस्थित ढांचा जब सामने आएगा, तभी उपद्रवियों पर लगाम लगेगी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने राज्यसभा में बताया है कि कई जगहों पर अल्पसंख्यकों के व्यवसायों और मंदिरों पर हमले की रिपोर्ट के बाद भारत सरकार बांग्लादेश के अल्पसंख्यक समुदायों की स्थिति को लेकर बहुत चिंतित है। हालांकि, अफवाहों से भी सावधान रहने की जरूरत है। ऐसे अनेक तत्व होंगे, जो इस प्रकरण को सांप्रदायिक रूप देना चाहेंगे। जैसे, एक अफवाह उड़ी थी कि वहां की क्रिकेट टीम के सदस्य लिटन दास के घर पर उपद्रवियों ने हमला बोल दिया है। वास्तव में, बांग्लादेश से आ रही खबरों को दो-तीन बार परख लेने की जरूरत है। अनेक स्थानों पर बांग्लादेशी नागरिक ही अल्पसंख्यकों की रक्षा के लिए खड़े हो गए हैं। भारतीय विदेश मंत्री ने भी बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए विभिन्न समूहों और संगठनों की पहल का स्वागत किया है।बेशक, भारत ने शेख हसीना को बांग्लादेश से निकलने में मदद की है, पर विदेश मंत्री ने यह भी बता दिया है कि भारत ने शेख हसीना को संयम बरतने की सलाह बार-बार दी थी और आग्रह किया था कि हालात को बातचीत से सुलझा लें। अफसोस, हसीना ने सलाह पर गौर नहीं किया और अब यूरोप में शरण खोज रही हैं। यूरोपीय देश भी शरण देने से पहले चिंतित हैं, क्योंकि अब उनके यहां भी कट्टरता पैठ गई है। शेख हसीना का पतन वास्तव में उन सभी नेताओं के लिए सबक है, जो विपक्ष या विरोधियों के लिए जगह नहीं छोड़ते हैं। जो लोकतंत्र और चुनाव की इज्जत नहीं करते हैं। आज के समय में सत्ता में बने रहने से ज्यादा जरूरी है- प्रतिकूल परिवेश न बनने देना। इसके बावजूद अगर हालात खिलाफ हो जाएं, तो समय रहते सत्ता से अलग हो जाना ही बड़प्पन की निशानी है। ऐसे बड़प्पन से ही लोकतंत्र की ताकत बढ़ती है और अराजकता पर अंकुश रहता है।

निरंकुशता के कारण हसीना का निष्कासन

(लेखक-ललित गर्ग)

बांग्लादेश में जनभावना को दबाने एवं अनसूना करने से पनपे विद्रोह, आक्रोश एवं विरोध की निष्पत्ति है शेख हसीना सरकार का पतन। लम्बे समय से चला आ रहा आरक्षण विरोधी आंदोलन का आक्रोश उग्रतम होता गया, मगर इस आक्रोश की बुनियाद सात माह पूर्व हुए चुनाव में अनियमितताओं के बाद ही पड़ गई थी। हाल के दिनों में व्यापक पैमाने पर हुए हिंसक प्रदर्शनों ने शेख हसीना को प्रधानमंत्री पद त्यागकर देश छोड़ने को मजबूर कर दिया। पिछले करीब तीन सप्ताह में हुई आरक्षण विरोधी हिंसा में तीन सौ से अधिक लोगों की जान चली गई। दरअसल, इस संकट की मूल वजह एक लोकतांत्रिक नेतृत्व का तानाशाह एवं निरंकुश बनना बड़ा कारण रहा। जनभावनाओं को कुचला जाना एवं अनसूना करने के कारण ही हसीना आनन-फानन देश छोड़कर भारत आने के लिए विवश होना पड़ा। उससे यही पता चलता है कि हालात किस कदर उनके खिलाफ हो गए थे। इसे इस तरह भी समझा जा सकता है कि उनका इस्तीफा मांग रहे बगावती प्रदर्शनकारियों ने उनके सरकारी आवास में घुसकर तो तोड़फोड़ की ही, उनके पिता एवं बांग्लादेश के राष्ट्रपिता कहे जाने वाले शेख मुजीब की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त करने के साथ उनके नाम पर बने एक संग्रहालय को भी जला दिया। बांग्लादेश बेहाल हो गया, हिंसक एवं अराजक घटनाएं कहर बन कर हसीना के खिलाफ विद्रोह का बिगुल बजा रही थी। जैसी आशंका थी, शेख हसीना के पलायन करते ही सेना ने सत्ता संभाल ली और मिली-जुली अंतरिम सरकार बनाने की घोषणा की। शायद सेना इसकी तैयारी पहले से कर रही थी। भारतीय उपमहाद्वीप के श्रीलंका, नेपाल के बाद अब बांग्लादेश में उत्पन्न होने वाली प्रतिकूल परिस्थितियों के प्रति भारत सरकार को सतर्क एवं सावधान रहने के साथ अपनी रणनीति में बदलाव करने की जरूरत है।

जब-जब जिन-जिन देशों में जनता की आवाज को दबाया गया, एक विस्कोटक स्थिति बनी, क्रांति का शंखनाद हुआ। मान्य सिद्धान्त है कि आदर्श ऊपर से आते हैं, क्रांति नीचे से होती है। बांग्लादेश में क्रांति एवं विद्रोह का कारण भी यही स्थिति बना कि ऊपर से आदर्श की स्थितियों पर धुंधलका छाने लगा तो क्रांति नीचे से होने लगी, बांग्लादेश हिंसा की आग में झुलसने लगा, आगजनी, तोड़फोड, हिंसक प्रदर्शनों में सैकड़ों लोग मारे गये, सरकारी सम्पत्ति का भारी नुकसान हुआ। वास्तव में लगातार चार बार प्रधानमंत्री बनने वाली शेख हसीना ने जनाक्रोश एवं जनता के विद्रोह को हल्के में लिया। वास्तव में हसीना लगातार विस्फोटक होती स्थितियों का सावधानी से आकलन नहीं कर पायी। आरक्षण आंदोलन को दबाने के लिये की गई सख्ती ने आग में घी का काम किया। जिससे बांग्लादेश के जनमानस में गहरे तक यह भाव एवं घाव पैदा हुआ कि उनकी आकांक्षाओं के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। चूंकि शेख हसीना ने अपने लंबे शासनकाल में बांग्लादेश को स्थिरता प्रदान की और उसे आगे बढ़ाया, इसलिए उनकी सत्ता को कोई खतरा नहीं दिख रहा था, लेकिन कुछ समय पहले आरक्षण के खिलाफ छात्रों की ओर से शुरू हुआ आंदोलन उनके लिए मुसीबत बन गया। इस आंदोलन को शीघ्र ही शेख हसीना के सभी विरोधियों और साथ ही ऐसे कट्टरपंथी संगठनों ने भी समर्थन दे दिया, जो पाकिस्तान की कठपुतली माने जाते हैं। इसके चलते आरक्षण विरोधी आंदोलन सत्ता परिवर्तन के हिंसक अभियान में बदल गया। निश्चित ही पाक परस्त राजनीतिक दलों ने इस आक्रोश को अपने लिये सत्ता का रास्ता बनाने में इस्तेमाल किया, लेकिन इस संकट को शह देने में कई विदेशी ताकतें भी पीछे नहीं रही। शेख हसीना लगातार चौथी बार सत्ता में तो आई, लेकिन विपक्षी दल जनता में यह संदेश देने में कामयाब रहे कि चुनावों में धांधली हुई है। इस तरह चुनावों के संदिग्ध तौर-तरीकों ने शेख हसीना की जीत को धूमिल कर दिया। जिसका अंतर्राष्ट्रीय जगत में भी अच्छा संदेश नहीं गया। तभी पिछले महीनों में अपनी सरकार के लिये अंतर्राष्ट्रीय समर्थन जुटाने हेतु शेख हसीना ने भारत व चीन की यात्रा की थी। हालांकि, इस दौरान देश में स्थितियां उनके अनुकूल नहीं थी। बीजिंग और नई दिल्ली के बीच संतुलन साधने की शेख हसीना की नीति से चीन भी उनसे रुष्ट था और इसी कारण उन्हें हाल की अपनी चीन यात्रा बीच में छोड़कर लौटना पड़ा था। इसकी भरी-पूरी आशंका है कि चीन ने पाकिस्तानी तत्वों के जरिये शेख हसीना विरोधी आंदोलन को हवा दी। निश्चित ही शेख हसीना की छवि एक अधिनायकवादी शासक की बनी और पश्चिमी देश विशेषकर अमेरिका उनकी निंदा करने में मुखर हो उठा। अमेरिका उनकी नीतियों से पहले से ही खफा था, क्योंकि वह मानवाधिकार और लोकतंत्र पर उसकी नसीहत सुनने को तैयार नहीं थीं। उनका सत्ता से बाहर होना भारत के लिए अच्छी खबर नहीं है, बांग्लादेश में एक अर्से से भारत विरोधी ताकतें सक्रिय हैं। उनका भारत विरोधी चेहरा आरक्षण विरोधी आंदोलन के दौरान भी दिखा। यह ठीक नहीं कि हिंसक प्रदर्शनकारी अभी भी हिंदुओं और उनके मंदिरों के साथ भारतीय प्रतिष्ठानों को निशाना बना रहे हैं।

हालांकि, शेख हसीना के खिलाफ उपजे आक्रोश के मूल में तात्कालिक कारण अतार्किक एवं असंगत आरक्षण ही रहा, लेकिन विपक्षी राजनीतिक दल व उनके आनुषंगिक संगठन सरकार को उखाड़ने के लिये बाकायदा मुहिम चलाये हुए थे। दरअसल, वर्ष 1971 में बांग्लादेश को पाकिस्तान के दमनकारी शासन से आजादी दिलाने वाले स्वतंत्रता सेनानियों की तीसरी पीढ़ी के रिश्तेदारों के लिये उच्च सरकारी पदों वाली नौकरियों में तीस प्रतिशत आरक्षण का विरोध छात्रों ने किया। उनका तर्क था कि उनकी कई पीढ़ियां आरक्षण का लाभ उठा चुकी हैं, फलतः बेरोजगारों को नौकरियां नहीं मिल रही हैं। लेकिन इस आंदोलन को हसीना सरकार ढंग से संभाल नहीं पायी। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण को घटाकर पांच प्रतिशत कर दिया था, लेकिन सरकार इस संदेश को जनता में सही ढंग से नहीं पहुंचा सकी। फिर छात्र नेताओं की गिरफ्तारी ने आंदोलन को उग्र बना दिया।

जनाक्रोश के चरम का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि आक्रामक भीड़ ने मुक्ति आंदोलन का नेतृत्व करने वाले 'बंगबंधु' शेख मुजीबुर रहमान की मूर्ति तक को तोड़ दिया। निस्संदेह, सत्ता से चिपके रहने के लिये किए जाने वाले निरंकुश शासन की परिणति जनाक्रोश एवं जनान्दोलन के चरम के रूप में सामने आता ही है।

ताजा घटनाक्रम एवं हिंसक आंधी श्रीलंका में 2022 के विरोध प्रदर्शन की याद ताजा कर गया, जिसमें वहां राजपक्षे बंधुओं को सत्ता से उतरकर विदेश भागने को मजबूर होना पड़ा था। हालांकि, फिलहाल बांग्लादेश में सेना ने कमान अपने हाथ में ली है लेकिन आने वाली सरकार को उच्च बेरोजगारी, आर्थिक अस्थिरता, मुद्रास्फीति जैसे ज्वलंत मुद्दों का समाधान करना होगा। नयी व्यवस्था एवं सोच में व्यापक सकाकरात्मक परिवर्तन हो, विदेशी ताकतों विशेषतः पाकिस्तान की कठपूतली बनने से बचना होगा। हालांकि, भारत के हसीना सरकार से मधुर संबंध थे, भारत बांग्लादेश का सबसे करीबी, सहयोगी और दुख के दिनों का साथी रहा है। शेख हसीना बांग्लादेश के बंग बंधु शेख मुजीबुर रहमान की बेटी हैं। 1975 में परिवार के ज्यादातर सदस्यों के साथ एक सैन्य तख्तापलट में उनकी मौत हो गई थी। लेकिन शेख हसीना और उनकी बहन रेहाना उस वक्त जर्मनी में थी। इसलिए जिंदा बच गई थी। तब तत्कालिन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने शेख हसीना और उनकी बहन को भारत बुलाया था एवं संरक्षण प्रदान किया था। लेकिन हालिया उथल-पुथल को देखते हुए हमें अपनी रणनीति में बदलाव करना होगा। पाकिस्तान परस्त बीएनपी और जमात-ए-इस्लामी की आसन्न वापसी भारत के लिये सावधान होकर अग्र-स्थितियों पर गंभीरता से ध्यान देने की है। बांग्लादेश के नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस देश के अंतरिम प्रधानमंत्री बन सकते हैं। बताया जा रहा है कि शेख हसीना का विरोध कर रहे छात्रों ने मोहम्मद यूनुस के नाम का समर्थन किया है। शेख हसीना और यूनुस का आपस में बहुत तनाव रहता था। अब यूनुस से उम्मीद की जा रही है कि वह देश को स्थिरता की ओर ले जा सकते हैं। भारत पडोसी देश के नाते बांग्लादेश में स्थिरता, शांति एवं सौहार्दपूर्ण स्थितियों की कामना करता है।

आज का राशीफल

मेष गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ के कार्यो में धन खर्च करने के योग हैं। राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। किसी अभिन्न मित्र या रिश्तेदार से मिलाप की संभावना है।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। व्यावसायिक क्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। प्रणय संबंध मधुर होंगे।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कन्या रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। सृजनात्मक कार्यों में हिस्सा लेना पड़ सकता है। खान-पान में संयम रखें। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। दूसरों से सहयोग लेने में सफल रहेंगे।

तुला शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। अपनों का सहयोग मिलेगा। वाणी की सौम्यता आपको धन लाभ करायेगी। व्यर्थ की भागदौड़ होगी।

वृश्चिक व्यावसायिक योजना सफल होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। आर्थिक उन्नति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा।

मकर बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खान-पान संयम रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। विरोधियों का पराभव होगा।

मीन जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। आपके पराक्रम में वृद्धि होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा।

तो अब सरकार के निशाने पर वक्फ बोर्ड

(लेखक - राकेश अचल)

7 फ्रांस ओलम्पिक में हमारे खिलाड़ी पदकों पर अपना निशाना साध रहे हैं लेकिन हमारी सरकार के निशाने पर हमेशा की तरह मुस्लिम और उनकी संस्थाएं है। केंद्र के निशाने पर अब मुस्लिमों को वक्फ सम्पतियों का रखरखाव करने वाला वक्फ बोर्ड है । सरकार वक्फ बोर्ड क़ानून में संशोधन कर बोर्ड की शक्तियां सीमित करना चाहती है। मुमकिन है कि आप जब ये आलेख पढ़ रहे हों तब वक्फ बोर्ड अधिनियम में संशोधन से जुड़ा बिल सरकार संसद में पेश कर रही हो ,हालांकि इसको लेकर सरकार की तरफ से अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। लेकिन बिल की खबर आते ही हंगामा शुरू हो गया है। एआइएमआइएम से लेकर कई मुस्लिम संगठनों और विपक्षी दलों ने सरकार पर निशाना साधा है। सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि यह संविधान में दिए धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार पर प्रहार है।

आपको पहले ये जानना होगा कि आखिर वक्फ बोर्ड है क्या ? केन्द्रीय वक्फ परिषद वक्फ बोर्ड के कामकाज से सम्बन्धित मुद्दों और देश में वक्फ के समुचित प्रशासन से सम्बन्धित मुद्दों के बारे में परामर्श देने के लिए केन्द्रीय वक्फ परिषद् की स्थापना एक स्थायी इकाई के रूप में की गई। इस बोर्ड की स्थापना भाजपा के जन्म से सोलह साल पहले तत्कालीन केन्द्र सरकार ने दिसम्बर, 1964 में वक्फ अधिनियम 1995 के अन्तर्गत की थी ।वक्फ के प्रभारी केन्द्रीय मन्त्री, केन्द्रीय वक्फ परिषद् के 20 अन्य सदस्य होते हैं केन्द्रीय वक्फ परिषद् इन समुदायों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है इसके द्वारा लागू की जाने वाली योजनाएँ हैं।

वक्फ अरबी भाषा के वकुफा शब्द से बना है, जिसका अर्थ होता है ठहरना। इसी से बना वक्फ। वक्फ एक ऐसी संपत्ति होती है, जो जन-कल्याण को समर्पित हो। इस्लाम के मुताबिक वक्फ दान का ही एक तरीका है। इस्लाम की तरह हम सनातनियों में भी दान की लम्बी परम्परा है । हमारे यहां जितने भी धार्मिक स्थल हैं उनके रखरखाव के लिए तत्कालीन शासकों,राजा -महाराजाओं ,नबाबों और निजी व्यक्तियों द्वारा अकूत सम्पत्ति दान की जाती रही है । उसके रखरखाव के लिए भी वक्फ बोर्ड जैइसी ही अनेक व्यवस्थाएं हैं ,लेकिन निशाने पर वक्फ है ,क्योंकि वो अल्पसंख्यक मुसलमानों का है ,और मुसलमानों से हमारी सरकार को चिढ है । सरकार ने 2024 के आमचुनावों में खुलकर मुसलमानों का नाम लेकर बहुसंख्यक हिन्दू मतदाताओं को आतंकित करने की कोशिश की थी । कहा था कि जनता का मंगलसूत्र खतरे में पड़ जाएगा।

बहरहाल मुस्लिम नेताओं का आरोप है कि मोदी सरकार वक्फ बोर्ड की स्वायत्तता को छीनना चाहती है। भाजपा शुरू से ही वक्फ बोर्ड और वक्फ संपत्तियों के खिलाफ रही है। वह अपने हिंदुत्व एजेंडे के तहत वक्फ संपत्तियों और वक्फ बोर्ड को खत्म करना चाहती है। अगर इसमें कोई संशोधन किया गया तो प्रशासनिक अराजकता पैदा होगी और वक्फ बोर्ड अपनी स्वायत्तता खो देगा ,जो कि धार्मिक स्वतंत्रता के खिलाफ होगा। हमारी सूचना है कि प्रस्तावित विधेयक में वक्फ बोर्ड द्वारा संपत्तियों पर किए गए सभी दावों को अनिवार्य सत्यापन से गुजरना होगा। वक्फ बोर्ड के अधिकारों, उसकी ताकतों और उसकी कार्यप्रणाली में बड़ा परिवर्तन किया जाएगा। महिला सदस्य राज्यों में वक्फ बोर्ड का हिस्सा होंगी। प्रस्तावित बिल में मौजूदा कानून से जुड़े कई क्लॉज हटाए जा सकते हैं। उनके मुताबिक वक्फ बोर्ड अधिनियम में 40 से अधिक संशोधनों किए जा सकते हैं।

सरकार सर्वशक्तिमान होती है,वो सब कुछ कर सकती है ,लेकिन इस सब कुछ कि पीछे बहुत कुछ छिपा होता है। सवाल ये है कि वक्फ बोर्ड कि ऊपर सरकार की वक्र दृष्टि है क्यों ? इसका सीधा सा जबाब है वक्फ के पास अकूत सम्पत्ति का होना । एक सूचना कि मुताबिक़ वक्फ बोर्ड जमीन के मामले में रेलवे और कैथोलिक चर्च के बाद तीसरे नंबर पर है। आंकड़ों के मुताबिक वक्फ बोर्ड के पास 8 लाख एकड़ से ज्यादा जमीन है। साल 2009 में यह जमीन 4 लाख एकड़ हुआ करती थी, जो कुछ सालों में बढ़कर दोगुनी हो गई है। इन जमीनों में ज्यादातर मस्जिद, मदरसा, और कब्रगाह हैं. पिछले साल अल्पसंख्यक मंत्रालय ने लोकसभा में बताया था कि दिसंबर 2022 तक वक्फ बोर्ड के पास कुल 8,65,644 अचल संपत्तियां थीं। जाहिर है की ये समाप्तियाँ मुस्लिमों द्वारा वक्फ की गयीं है,यानि ये सरकारी नहीं हैं ,लेकिन सरकार को ये संप्पत्तियाँ चाहिए।

हकीकत ये है कि वक्फ की सम्प्पतियों का दुरूपयोग ठीक उसी तरह हो रहा है जैसे हिन्दू मंदिरों की सम्पत्तियों या ईसाई मिशनरियों की सम्प्पतियों का हो रहा है। इन सभी का नियमन जरूरी है क्योंकि अधिकाँश मंदिरों और वक्फ की सम्पत्तियों को असरदार लोगों ने या तो खुर्द-बोर्ड कर दिया है या फिर उनके ऊपर गलत तरीके से कब्जा कर लिया ह। आरोप है की अकेले औबेसी कि पास वक्फ की 3000 करोड़ की वक्फ सम्पत्तियाँ हैं। देश कि अनेक राज्यों में वक्फ की सम्पत्तियों को लेकर अदालतों में मुकद्मे चल रहे हैं। मुझे पता है कि क़ानून कि होते हुए भी न वक्फ की सम्पत्तियाँ महफूज है और न दुसरे धर्मों की साम्पत्तियाँ । जैसे मुल्ला-मौलवियों ने वक्फ सम्पत्तियों को खुर्द-बुर्द कर दिया है वैसे ही मठों कि संत-महंतों ने मंदिरों की सम्पत्तियों को या तो बेच खाया है या मामूली से किराये पर असरदार लोगों को दे दिया है। ,लेकिन सरकार को वक्फ सम्पत्तियों की ज्यादा फ़िक्र है। दूसरे मजहबों की सम्पत्तियों की नहीं।

दरअसल सरकार एक तीर से दो निशाने साध रही है । एक तरफ सरकार वक्फ सम्पत्तियों पर अपना अधिपत्य बढ़ाना चाहती है और दूसरी और अल्पसंख्यक मुस्लिमों को सबक भी सिखाना चाहती है क्योंकि आम चुनाव में अल्पसंख्यकों ने सरकारी पार्टी को बुरी तरह से खारिज कर दिय। यदि जेडीयू और टीडीपी भाजपा का साथ न देती तो भाजपा को आज विपक्ष में बैठना पड़ता। भाजपा ने पिछले दस साल में मुस्लिमों कि कल्याण कि नाम पर उनका जितना नुक्सान किया है उतना पहले किसी ने भी नहीं किया। केंद्र में भाजपा की सरकार के रहते अयोध्या में नया राममंदिर बन गया लेकिन नयी मस्जिद नहीं बनी । क्योंकि सरकार को मस्जिद बनाने में कोई दिलचस्पी है ही नहीं। सरकार का काम भी नहीं है मस्जिद बनवाना । सरकार तो मुस्लिमों की है ही नही। मध्यप्रदेश में तो सरकार एक कदम आगे जाकर पहली बार कृष्णजन्म अष्टमी सरकारी स्तर पर मनाने जा रही है ,क्योंकि मप्र में पहली बार यदुवंशी यानि डॉ मोहन यादव मुख्यमंत्री बने हैं ।हम या आप सरकार को उसका काम करने से नहीं रोक सकते । ये काम विपक्ष का है । हमारा काम तो केवल आगाह करने का है । हमारा पहले भी कहना था और आज भी कहना है कि सरकार को सचमुच सबका साथ लेकर सबका विकास करना चाहिए। यदि सरकार हिन्दू-मुसलमान कि फेर में पड़ी रही तो वो दिन दूर नहीं जब हम भी श्रीलंका और बांग्लादेश की तरह नफरत की आग में झुलसते नजर आये । इससे समय रहते बचने कि यपय किये जाएँ तो बृहत्तर ,अन्यथा होगा वो ही जो भाजपा और संघ जी ने रच कर रखा है। राम जी का इसमें कोई रोल नहीं है।

विचार मंथन

आम जनता पर टैक्स की मार, सेवकों पर सरकार मेहरबान

(लेखक - सनत जैन)

पिछले 10 वर्षों से आम जनता के ऊपर लगातार टैक्स और शुल्क बढ़ाए जा रहे हैं। आम जनता की वोट से चुने गए सांसद और विधायकों के वेतन भत्तों और सुविधाओं में लगातार वृद्धि हो रही है। वहीं सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों के महंगाई भत्ते और पेंशन बढ़ाई जा रही है। सांसद, विधायक और मंत्रियों को क्रीमी लेयर की श्रेणी का सम्मान और धन प्राप्त हो रहा है। उससे अब जनता के बीच में नाराजी देखने को मिल रही है। आम जनता टैक्स की मार से कराह रही है। जब देश स्वतंत्र हुआ था। उसके बाद राजनीति में समृद्ध परिवारों के बुजुर्ग अपने बच्चों को राजनीति में नहीं भेजना चाहते थे। उनका मानना था, जनसेवा के लिए घर का पैसा खर्च करेंगे। घर के कामकाज और व्यापार में कोई रुचि नहीं लेंगे। बहुत मुश्किल से लोग चुनाव लड़ने के लिए तैयार होते थे। उस समय विधायकों और सांसदों को इतना पैसा भी नहीं मिलता था। वह सत्र के समय राजधानी जाकर अपना खर्च पूरा कर सकें। पिछले तीन दशक में स्थितियां बडी तेजी के साथ बदली हैं। विधायकों और सांसदों के वेतन भत्ते लगातार बढ़ाए जा रहे हैं। सांसदों और विधायकों की अप्रत्यक्ष सुविधायें भी बढ़ रही हैं। रेलवे और हवाई जहाज में मुफ्त यात्राएं करने का मौका मिल रहा है। बिजली पानी फ्री मे मिल रहा है। रहने के लिए आवास फ्री मिलता है। कई राज्यों में तो मंत्रियों और विधायकों का आयकर भी सरकार द्वारा भरा जा रहा था। कार्यकाल खत्म होने के बाद पेंशन मिलती है। जितनी बार के विधायक-सांसद उसी के अनुसार बढ़ी हुई पेंशन आजीवन मिलती है। एक बार चुनाव जीत गए, तो सारे जीवन निशुल्क यात्रा करने की पात्रता हो जाती है। यह सारा खर्च आम जनता द्वारा दिए गए टैक्स से सरकार करती है। जो जनता इन्हें वोट देकर चुनाव जिताती है। उसके बाद जीवन भर उसका बोझ भी उठाती है। पिछले वर्षों में राजनीति भी व्यापार बन गया है। विधायक, सांसद और मंत्रियों के परिवारजन बड़े-बड़े ठेके लेते हैं। उन्हें ही ठेके मिलते हैं। चुनाव जीतने के पहले जिनकी हैसियत चुनाव खर्च उठाने की नहीं होती है। कुछ वर्षों में वह करोड़ों-अरबों रुपए के मालिक वह और उनके परिवार के लोग बन जाते हैं। आम जनता पर लगातार टैक्स बढ़ाए जा रहे हैं। 8 वर्ष पहले जीएसटी कानून लागू किया गया था। इस कानून को लागू करने का उद्देश्य था। अप्रत्यक्ष करों को खत्म करके ऐसी टैक्स व्यवस्था लागू करना,जो सारे देश और सभी राज्यों में एक समान हो। नागरिकों को टैक्स से राहत देने का भरोसा जताया गया था। जीएसटी लागू होने के बाद बहुत सारे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष टैक्स बंद किए जाने थे। जो केंद्र एवं राज्य सरकारों ने आज तक नहीं किये। उल्टे सेज और सरचार्ज लगाकर आम जनता से जजिया कर की तरह टैक्स वसूल किया जा रहा है। पेट्रोल डीजल और आयातित सामान सबसे बड़ा उदाहरण है। आम जनता पर टैक्स की दरों को बढ़ाकर 8, 12, 18 और 28 फ़ीसदी कर दिया। 2016 की तुलना में यह डबल हो गया है। गरीब जनता से भी जीएसटी में भारी टैक्स वसूल किया जाने लगा है। जीएसटी कर के दायरे में सेवाओं को भी शामिल किया गया। रेलवे की टिकट हो, बिजली का बिल, नगर निगम का टैक्स, कॉलेज की फीस, बैंक के शुल्क और सरचार्ज इत्यादि का ऐसा कोई सेक्टर नहीं छोड़ा। जो जीएसटी मे कवर ना होता हो। जीएसटी लागू होने के पहले सीएसटी के रूप में केंद्र सरकार को मात्र चार फ़ीसदी का टैक्स मिलता था। जब से जीएसटी लागू हुआ है। उसके बाद से केंद्र सरकार की कमाई कई गुना बढ़ गई है। वहीं राज्य सरकारों की कमाई जीएसटी लागू होने के बाद घटती चली जा रही है। राज्य सरकारें केंद्र के ऊपर आश्रित होती जा रही हैं। रही सही कसर टोल टैक्स, राज्य सरकारों का सेस, कई गुना लाइसेंस फीस बढ़ाने और जुर्माने के रूप में टैक्सों की वसूली बड़े पैमाने पर की जा रही है। पिछले एक दशक में आम जनता से भारी टैक्स वसूला जा रहा है। जनता टैक्स के बोझ से कराह रही है। आम जनता ने जिन लोगों को वोट देकर चुनाव जिताया। विधायक और सांसद बनाया। वह मौज कर रहे हैं। उनके वेतन भत्ते और सुविधाएं लगातार बढ़ रही हैं। गरीब की अब कोई सुनवाई नहीं हो रही है। आम जनता दो वक्त का पौष्टिक भोजन भी नहीं खा पा रही है। यह पिछले 10 सालों के टेक्स का सत्य है।

सामान्य व्यक्ति पर टैक्स की कोई सीमा नहीं है। आम जनता से कई तरह से टैक्स वसूल किया जा रहा है। जिन परिवारों की आय 5 लाख रुपए वार्षिक से कम है। उन्हें अपनी आय का 60 से 65 फ़ीसदी तक विभिन्न टैक्स चुकाना पड़ रहा है। मात्र 35-40 फ़ीसदी आय को ही वह अपने परिवार में खर्च कर पा रहे हैं। जिस कारण गरीबों और मध्यम वर्ग के बीच में सरकार के प्रति गुस्सा बढ़ रहा है। सरकार को लगता है, गरीबों और मध्यम वर्ग की परिवारों के पास बहुत पैसा है।

दिल्ली का अक्षरधाम मंदिर भारतीय संस्कृति को अपने आप में समेटे हुए हैं। इसका वैभव, बेहतरीन शिल्प और परम आनंद का अनुभव इस मंदिर की ओर आकर्षित करता हैं। इस मंदिर का दर्शन हमें भारत की श्रेष्ठ और प्रसिद्ध कला की याद दिलाता हैं। अक्षरधाम मंदिर पर्यटकों को भारत की प्रसिद्ध कला की यात्रा पर ले जाता हैं। इसे स्वामीनारायण अक्षरधाम के नाम से भी जाना जाता है। प्राचीन मूल्यों और मानव सभ्यता के विकास में भागीदारी का जीता जागता उदाहरण हैं- अक्षरधाम मंदिर।

अपने शिल्प सौंदर्य से मन मोह लेता है अक्षरधाम

कुछ बरस पहले इस मंदिर को निर्माण शुरू हुआ तो यह सभी के लिए कौतुहल का विषय था। धीरे-धीरे इसका निर्माण होता गया और एक दिन अपने शिल्प सौंदर्य से सभी को मोहित कर लिया। प्रमुख स्वामी महाराज जी अक्षर पुरूषोतम् स्वामीनारायण संस्था, ग्यारह हजार कलाकार और हजारों स्वयंसेवकों का इसमें महत्वपूर्ण योगदान रहा। स्वामीनारायण भगवान को समर्पित यह पांरपरिक मंदिर भारतीय ऐतिहासिक कला, संस्कृति और वास्तुकला का बेजोड़ उदाहरण है।

निकंठ बरनी अभिषेक

इस मंदिर में यह प्रार्थना पारंपरिक ढंग से दुनिया की शांति के लिए की जाती है। 151 पवित्र नदियों का पानी, झील और तालाब के पानी से अपने, परिवार और दोस्तों के लिए प्रार्थना की जाती है। मंदिर में मौजूद तीन हाल में अलग-अलग जीवन के मूल्यों को सिखाया जाता है। हाल-एक में मानव मूल्यों को फिल्म और रोबोट द्वारा प्रस्तुत किया जाता हैं। इनमें अहिंसा, ईमानदारी, पारिवारिक सामंजस्य और आध्यात्मिकता का प्रतिरूप दिखाया जाता हैं।

हाल नंबर दो में ग्यारह साल के योगी नीलकंठ द्वारा भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिकता की अविश्वसनीय कहानियां सुनने को मिलती है। यहां भारतीय वास्तुकला और कला का बेहतरीन और कभी न भूलने वाला अनुभव होता हैं। यह हमारे त्योहारों को बेहतरीन तरीके से प्रस्तुत करता है। उन्हें समझने में मदद करता हैं।

हाल- तीन के कल्चरल बोट राइड में भारत के दस हजार साल की विरासतको खूबसूरती से दर्शाया गया हैं। भारत के ऋषि वैज्ञानिकों के अविष्कार और प्रयोग के बारे में जानने को मिलता है। शाम के समय यहां आप संगीतमय फव्वारे का पंद्रह मिनट का आनंद ले सकते हैं। यहां जन्म, जीवन और मृत्यु को दर्शानिक तरीके से चित्रित किया गया हैं। 60 एकड़ में फैला यहां का बगीचा मैदान और तांबे की मूर्तियां दर्शनीय हैं। यहां का लोटस गार्डन भी ध्यान आकर्षित करता हैं। अक्षरधाम मंदिर कलाकृति और खूबसूरती का बेमिसाल उदाहरण है। आप यहां सुबह 9.30 बजे से शाम 6.30 बजे तक जा सकते हैं। यहां किसी भी मौसम में जाया जा सकता हैं। सोमवार को यह मंदिर बंद होता है। मोबाइल फोन ले जाना और फोटो खींचना यहां मना है।

कन्याकुमारी, जहाँ मिलते हैं अरब सागर और बंगाल की खाड़ी

भारतीय प्रायद्वीप के दक्षिणी क्षेत्र में स्थित पवित्र स्थान कन्याकुमारी के बारे में कहा जाता है कि स्वामी विवेकानंद जब ज्ञान की खोज में निकले थे तो यहीं पहुंच कर उन्हें ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। यहां अरब सागर और बंगाल की खाड़ी हिंद महासागर में आकर मिलते हैं। इसलिए यहां तीन अलग-अलग रंगों की रेत देखने को मिलती है। शहर की भीड़ से दूर तथा तनाव व शोरगुल से भी दूर यह स्थान बड़ा शांतिमय है। यहां यदि शोर है तो वह है सिर्फ समुद्री लहरों का, जोकि कानों में संगीत की तरह गूंजता है। कन्याकुमारी के सूर्योदय और सूर्यास्त के दृश्य तो देखते ही बनते हैं।

कन्याकुमारी का मंदिर कन्याकुमारी को ही अर्पित है। इस मंदिर को भारत के छोरों का रखवाला भी माना जाता है। इस मंदिर को मदुरै, रामेश्वरम और तिरूपति आदि मंदिरों की तरह ही पवित्र माना जाता है। इस मंदिर की खास बात यह है कि यहां केवल हिन्दू ही जा सकते हैं। यह मंदिर प्रात: चार बजे से लेकर ग्यारह बजे तक तथा उसके बाद सायं 5.30 से लेकर 8.30 तक खुला रहता है। यहां विवेकानन्द जी का स्मारक भी है। यह समुद्र के बीच एक विशाल शिला पर स्थित है। इस शिला पर बैठ कर ही स्वामी विवेकानंद जी ने साधना की थी। स्मारक के कक्ष में विवेकानन्द जी की विशाल मूर्ति भी है। स्मारक स्थल से चारों और फैले विशाल समुद्र का दृश्य आपको मंत्रमुग्ध कर देगा। कन्याकुमारी में महात्मा गांधी का स्मारक भी है। यहीं पर महात्मा गांधी का अस्थि कलश रखा गया था। यह स्मारक कन्याकुमारी मंदिर के ठीक पास ही बना हुआ है। पर्यटकों के लिए आकर्षण का केन्द्र यह स्मारक अपनी अद्भुत कलाकृति के लिए भी जाना जाता है। कन्याकुमारी से लगभग 34 किलोमीटर दूर स्थित उदयगिरि किला भी देखने योग्य है। इस किले को 18वीं शताब्दी में राजा मार्तंड वर्मा ने बनवाया था। इसके साथ ही आप गुगनंत स्वामी मंदिर भी देखने जा सकते हैं। इस मंदिर की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह करीब एक हजार साल पुराना मंदिर है। इस मंदिर को एक चोल राजा ने बनवाया था। कन्याकुमारी आए हैं तो सुचिंद्रम देखना नहीं भूलें। यह कन्याकुमारी से लगभग 13 किलोमीटर दूर स्थित है। 9वीं शताब्दी के शिलालेख इस मंदिर में पाए जाते हैं। यहां पर भगवान शिव, भगवान ब्रह्मा और भगवान विष्णु की एक साथ पूजा की जाती है। यहां पर हनुमान जी की एक बड़ी मूर्ति है जो कि यहां की मूर्तिकला का जीता-जागता उदाहरण है। नागरकोयिल नागराज का अद्भुत मंदिर है। नागराज का मंदिर होते हुए भी इसमें भगवान शिव और भगवान विष्णु की मूर्तियां हैं। यहां का द्वार चीनी शिल्पकला में बनाया गया है। यहां आपको देखने को मिलेगा कि भक्तों को दिया गया प्रसाद जमीन से निकाला जाता है। यहां नागलिंग फूल भी पाया जाता है। यह मंदिर कन्याकुमारी से बीस किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यहां तक पहुंचने के लिए आपको आसानी से बसें मिल जाएंगी और यदि आप चाहें तो बंगलौर, चोई, त्रिवेन्द्रम, मदुरै आदि जगहों से यहां रेल व सड़क मार्ग से भी आ सकते हैं।

शानदार धरोहर है हुमायूं का मकबरा

भारत में मुगल शासन की नींव रखने वाले हुमायूं को लोग आज भी उनकी राजशाही ठाठबाट से नहीं बल्कि हुमायूं के मकबरे से ज्यादा याद करते हैं। दिल्ली स्थित यह मकबरा मुगल धरोहरों में सबसे शानदार धरोहर है। यह मकबरा भारत में मुगल वास्तुकला का पहला उदाहरण है। इस मकबरे के बनने के कई शताब्दी बाद इसी तर्ज पर ताजमहल का निर्माण हुआ। इस मकबरे का निर्माण हुमायूं की पत्नी हमीदा बानु बेगम ने अपने पति की मौत के नौ साल बाद शुरू करवाया। यह फारस की वास्तुकला का बेजोड़ उदाहरण है। इसके आगे बने बगीचे को चहारबाग कहते हैं। यह बगीचा चार मुख्य भागों में विभाजित है जहां से लोगों का आना जाना होता है। इन रास्तों को खूबसूरत बनाने के लिए बहते पानी का रास्ता बनाया गया है। 17वीं से 19वीं शताब्दी के बीच कई मुगल शासकों को इसी मकबरे में दफनाया गया था। हुमायूं के इस मकबरे को नेक्रोपोलीस (मृत शरीर से प्रेम) नाम भी दिया गया है। भारत के किसी भी शहर में मुगल शासकों और उनके रिश्तेदारों के इतनी कब्र कहीं देखने को नहीं मिलती। भारतीय उपमहाद्वीप में यह पहला ऐसा मकबरा है। हुमायूं के मकबरे का निर्माण लाल पत्थर से किया गया है। दो मंजिला यह मकबरा सफेद मार्बल के गुबंद से ढंका हुआ है, जो देखने में आकर्षक है। इस मकबरे की ऊंचाई 47 मीटर और चौड़ाई 91 मीटर है। वहां के गलियारे, खिड़की में भी फारसी वास्तुकला झलकती है। कुछ जगहों पर भारतीय शैली की भी झलक देखी जा सकती है। कुल मिलाकर यहां 150 कब्र हैं जो चारों तरफ से गार्डन से घिरी हैं। इस मकबरे के बनने के बाद ही इसका पतन शुरू हो गया था। मुगल बादशाहत जैसे-जैसे खत्म हुई उनके बनाए स्मारकों का भी पतन होना शुरू हो गया। मकबरे की आसपास बने बगीचे में लोगों ने सब्जियां उगानी शुरू कर दीं। 1857 में ब्रिटिश ने इंगलिश स्टाइल गार्डन बनाया। 1903-1909 के बीच इस बगीचे को अपनी खोयी हुई असली खूबसूरती लार्ड कर्जन से मिली। अभी कुछ साल पहले मकबरे का पुनरूद्धार होने के बाद से इसकी चमक अब देखने लायक है। यूनेस्को ने इसे विश्व धरोहर माना है। इस मकबरे की खूबसूरती बरकरार रखने के लिए इस पर काफी काम किया गया है। इसकी शान-ओ-शौकत अब देखने लायक है। हुमायूं के मकबरे को देखने कभी भी जाया जा सकता है। दिल्ली आने पर टैक्सी या आटो से यहां आप पहुंच सकते हैं। बच्चों का प्रवेश नि:शुल्क है। परिसर के बाहर पार्किंग की अच्छी व्यवस्था है। जलपान और शीतल पेय के लिए भी भटकना नहीं पड़ता। परिसर के एक किनारे इसका भी इंतजाम हैं।

दवा कंपनी का नेट प्रॉफिट 77 प्रतिशत बढ़ा........शेयर 6 प्रतिशत उछाला

मुंबई। भारतीय फार्मा कंपनी ल्यूपिन का शेयर 6.18 प्रतिशत तक उछल गए। इसके साथ ही ल्यूपिन का स्टॉक बीएसई पर 52 सप्ताह के उच्च लेवल 2025 रुपये प्रति शेयर पर पहुंच गया। बता दें कि कंपनी के शेयरों में यह तेजी पहली तिमाही के नतीजों जारी करने के बाद आई है। दवा बनाने वाली कंपनी ल्यूपिन का चालू वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में नेट प्रॉफिट 77 प्रतिशत बढ़कर 801 करोड़ रुपये हो गया। मुंबई स्थित कंपनी ने गत वित्त वर्ष 2023-24 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में 452 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट कमाया था। अलग-अलग बाजारों में मजबूत बिक्री के चलते कंपनी का मुनाफा बढ़ा है। ल्यूपिन ने कहा, पहली तिमाही में ऑपरेशंस से कमाई बढ़कर 5,600 करोड़ रुपये हो गई जबकि पिछले वर्ष इसी तिमाही में यह 4,814 करोड़ रुपये थी। ल्यूपिन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक नीलेश गुप्ता ने बताया कि कंपनी ने वित्त वर्ष 2023-24 में जो गति बनाई, उसकारण यह तिमाही मजबूत रही। नए उत्पादों, प्रमुख क्षेत्रों और हमारे परिचालन मुनाफे और प्रॉफिटेबिलिटी में सुधार से हमारा प्रदर्शन बेहतर रहा। ल्यूपिन की अप्रैल-जून तिमाही में भारत में 1926 करोड़ रुपये की बिक्री हुई, जबकि पिछले वर्ष इसी तिमाही में 1,638 करोड़ रुपये की बिक्री हुई थी।

फ्लाइट टिकट पर पाएं 18 प्रतिशत तक की छूट

नई दिल्ली। यात्रियों को हर फ्लाइट बुकिंग पर बेहतरीन डिस्काउंट मिल रहा है। 8 अगस्त तक यात्री अपनी पसंद की डेस्टिनेशन के लिए फ्लाइट बुकिंग पर 18 प्रतिशत तक की छूट पा सकते हैं। इंडिगो ने अपने 18वें स्थापना दिवस के अवसर पर कस्टमर्स के लिए स्पेशल सेल की घोषणा की है। इस सेल के तहत, पैसेंजर्स को फ्लाइट बुकिंग पर 18 प्रतिशत तक का डिस्काउंट मिलेगा। यह छूट केवल इंडिगो की आधिकारिक वेबसाइट या मोबाइल ऐप के माध्यम से बुकिंग करने पर ही उपलब्ध होगी। इंडिगो ने अपने कस्टमर्स के लिए हैप्पी इंडिगो डे सेल की घोषणा की है, जो 5 अगस्त से 8 अगस्त तक चलेगी। इंडिगो के नए ऑफर में पैसेंजर्स को फ्लाइट टिकट पर 18 प्रतिशत तक की छूट मिल रही है। इस ऑफर का लाभ उठाने के लिए पैसेंजर्स को इंडिगो की वेबसाइट से बुकिंग करनी होगी और स्पेशल कोड का उपयोग करना होगा।

कच्चे तेल की कीमतों में आ सकती है गिरावट

न्यूयार्क। कच्चे तेल के दाम आने वाले समय में गिर सकते हैं। एक सर्वे रिपोर्ट में कहा गया है कि अगले साल 2025 में मंदी आने के कारण कच्चे तेल (ब्रेंट क्रूड) की कीमतें 75 डॉलर प्रति बैरल से 90 डॉलर प्रति बैरल के बीच रह सकती हैं। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर आर्थिक मंदी आई तो नायमैक्स पर कच्चे तेल के दाम गिरकर 30 डॉलर प्रति बैरल तक आ सकते है। वहीं, ब्रेंट क्रूड के दाम 50 डॉलर प्रति बैरल तक आ सकते है। अभी 7 अगस्त 2024 को नायमैक्स पर क्रूड का भाव 73 डॉलर प्रति बैरल है जबकि ब्रेंट क्रूड का दाम 76 डॉलर प्रति बैरल है। कच्चा तेल सस्ता होने भारत के लिए लाभप्रद रहेगा। ऐसे में भारत का खर्च कम होगा। इससे चालू वित्तीय घाटा कम करने में मदद मिलेगी। पिछले कुछ समय में पेट्रोल-डीजल की कीमत (Petrol-Diesel Price) में खास बदलाव नहीं किया। इससे सरकार को दो बड़े लाभ हुए हैं। इससे देश के चालू खाता घाटा कम हुआ है। इसके अलावा सरकार के राजस्व में बढ़त आई है। अर्थव्यवस्था के लिहाज से हाल में एक और अच्छी घटना हुई है। दूसरे शब्दों में कहें तो डॉलर के मुकाबले भारतीय मुद्रा में 4 रुपए की मजबूती आई है। इससे सरकार को विदेशों से सामान खरीदने में कम भुगतान करना पड़ा। रुपए के मजबूत होने से कच्चा तेल, इलेक्ट्रॉनिक, जेम्स एंड ज्वेलरी, फर्टिलाइजर्स, केमिकल्स सेक्टर को सीधा फायदा होता है। इससे आयात की लागत घट जाती है। हालांकि, इससे कुछ सेक्टर्स को नुकसान भी होता है।क्रूड की कीमतों में गिरावट से तेल कंपनियों को लाभ होगा।

मोदी सरकार से आया प्रस्ताव.......गोदरेज प्रॉपर्टीज का शेयर बना रॉकेट

मुंबई। रियल्टी शेयरों में बुधवार को इंट्रा-डे ट्रेड के दौरान तेजी देखी गई और गोदरेज प्रॉपर्टीज का शेयर 4 फीसदी तक चढ़ गया। बता दें कि रियल्टी स्टॉक्स में तेजी मोदी सरकार की ओर से रियल एस्टेट संपत्तियों पर कैपिटल गेन टैक्स के मामले में टैक्स पेयर्स को राहत देने के प्रस्ताव के बाद आई है। प्रस्ताव के अनुसार, अब संपत्ति मालिकों के पास कैपिटल गेन टैक्स पर 20 प्रतिशत या 12.5 प्रतिशत कर की दर में से कोई एक चुनने का विकल्प होगा।

संशोधित प्रस्ताव के मुताबिक, 23 जुलाई 2024 से पहले मकान खरीदने वाला कोई व्यक्ति या हिंदु अविभाजित परिवार (एचयूएफ) महंगाई के प्रभाव को शामिल किए बिना 12.5 प्रतिशत की नई योजना के तहत टैक्स देने का विकल्प चुन सकता है। इसके अलावा उसके पास पुरानी योजना के तहत इंडेक्सेशन के साथ 20 प्रतिशत टैक्स का विकल्प भी होगा। दोनों विकल्पों में से जिसमें भी टैक्स कम बने, वह उसका भुगतान कर सकता है।

बता दें कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट 2024-25 पेश कर संपत्ति की बिक्री से होने वाले इंडेक्सेशन बेनिफिट को हटाने के साथ टैक्स को 12.5 प्रतिशत करने की घोषणा की थी।

रुपया सपाट बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया एक पैसे की गिरावट के साथ ही 83.96 पर बंद हुआ। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार सुबह रुपया 83.95 पर खुला। वहीं गत दिवस रुपया 83.92 पर बंद हुआ था। इस प्रकार उसमें नरमी आई है। गत दिवस वै श्विक बाजारों और घरेलू शेयर बाजारों में तेजी से रुपया शुरुआती कारोबार में अपने सर्वकालिक निचले स्तर से उबर 25 पैसे की बढ़त के साथ 83.84 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। जानकारों का कहना है कि घरेलू बाजार में उछाल से स्थानीय मुद्रा को थोड़ा समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि वैश्विक बाजारों में जोखिम से बचने की प्रवृत्ति, पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव में वृद्धि और विदेशी पूंजी की निकासी ने निवेशकों की भावनाओं को प्रभावित किया है। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.92 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद 83.84 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 25 पैसे की बढ़त को दिखाता है। रुपया सोमवार को अपने सर्वकालिक निचले स्तर 84.09 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। दिन भर के कारोबार के बाद छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को आंकने वाला डॉलर सूचकांक 0.16 फीसदी की गिरावट के साथ 102.85 पर रहा।

भूटान में दिखेगा टाटा समूह का दम........पॉवर प्रोजेक्ट में होगी हिस्सेदारी

नई दिल्ली। टाटा ग्रुप अब भूटान में अपना दम दिखाने को तैयार है। टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा पावर अपने ग्रीन एनर्जी पोर्टफोलियो को बढ़ा रही है। इस योजना के तहत कंपनी भूटान में एक हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट में 830 करोड़ रुपये में 40 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगी। 600 मेगावाट की क्षमता वाले प्रोजेक्ट के लिए 6900 करोड़ रुपये के निवेश की जरूरत होगी। इस प्रोजेक्ट में हिस्सेदारी खरीदने के बाद खोरलोछू हाइड्रो पावर टाटा पावर की सहयोगी कंपनी बन जाएगी। टाटा पावर 600 मेगावाट का स्टेशन डिवेलप करने के लिए ड्रुक ग्रीन पावर के साथ पार्टनरशिप करेगी। इस मौके पर कंपनी ने कहा कि यह प्रोजेक्ट टाटा पावर को अपने क्लीन और ग्रीन एनर्जी ट्रांजिशन को तेज करने में मदद करेगा। टाटा पावर ने कहा कि वह लजमबर्ग स्टॉक एक्सचेंज से अपने ग्लोबल डिपॉजिटरी शेयर (जीडीएस) को समाप्त करेगी। इसका कारण बताकर कंपनी ने कहा कि इसमें पिछले कई वर्षों से कोई गतिविधि नहीं हुई है। टाटा पावर ने एक रेगुलेटरिंग फाइलिंग में कहा कि जीडीएस में पिछले कई वर्षों से कोई गतिविधि नहीं हुई है। कंपनी ने कहा कि हम जीडीएस प्रोग्राम को खत्म करने के लिए जरूरी कदम उठाएंगे और इस लजमबर्ग स्टॉक एक्सचेंज से हटाया जाएगा। टाटा पावर ने चालू वित्त वर्ष (2024-25) की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के नतीजे जारी किए। इस पहली तिमाही में कंपनी का लाभ 4 फीसदी बढ़कर 1189 करोड़ रुपये हो गया है। वहीं इस अवधि के दौरान कंपनी के रेवेन्यू में भी बढ़ोतरी आई है। यह 12 फीसदी बढ़कर 16810 करोड़ रुपये हो गया है। पिछले वर्ष की समान तिमाही में यह रेवेन्यू 15213 करोड़ रुपये था।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 874 अंक , निफ्टी 304 अंक ऊपर आया

मुम्बई। घरेलू शेयर बाजार बुधवार को बढ़त पर बंद हुआ। इसी के साथ ही पिछले दो दिनों से जारी गिरावट रुक गयी। आज सुबह दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी से बाजार की बढ़त के साथ शुरुआत हुई और पूरे दिन यही सिलसिला जारी रहा। कारोबार के दौरान 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 874 अंक की बढ़त लेकर 79,468 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाले एनएसई निफ्टी में भी 304 अंक की तेजी रही और ये 24,279 पर जाकर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़ रही। इसी कारण आईटी इंडेक्स 2 फीसदी उछला। वहीं एनबीएफसीएस और सरकारी शेयर भी बढ़त पर बंद हुए। बांग्लादेश में जारी हिंसा के कारण उसके कपड़ा उद्योग में कामकाज बंद है। ऐसे में भारतीय कपड़ा उद्योग की ओर विदेश खरीदारों का रुख हो सकता है। जिससे भारतीय कपड़ा कंपनियों के शेयर में भारतीय उछाल आया है।

आज कारोबार के दौरान एमएंडएम 2.23 फीसदी, इनफोसिस 2.19 फीसदी, एचसीएल टेक्नोलाजी 2 फीसदी ऊपर आया जबकि अडानी पोर्ट का शेयर 1.55 फीसदी और ज़ड़झ्ङ्ख रह्हद्गद्य में भी 1.50 फीसदी की तेजी आई। वहीं मिडकैप कंपनियों में शामिल ऑयल इंडिया के शेयर 6.89फीसदी, ल्यूपिन के शेयर 4.30 फीसदी उछले जबकि स्मालकैप कंपनियों के शेयरों की बात करें तो मुफ्ती शेयर 10.25शेयर, एसपीएएल 8.96 फीसदी और आईएफबी इंडिया के शेयर 7.57 फीसदी बढ़े। वहीं गत दिवस बाजार नीचे आया था। इससे पहले आज सुबह बाजार बुधवार को बढ़त के साथ खुला। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये बढ़त दुनिया भर से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही खरीदारी से आई है। शुरुआती कारोबार में बाजार ने सकारात्मक शुरुआत और 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 963 अंक ऊपर आकर 79,556 पर पहुंचा जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 294 अंक बढ़कर 24,286 के स्तर पर पहुंच गया। कारोबार के दौरान मिडकैप इंडेक्स 1.37 फीसदी और स्मॉलकैप इंडेक्स 1.01 फीसदी ऊपर आया।

निफ्टी में ओएनजीसी, कोल इंडिया, हीरो मोटोकॉर्प और एमएंडएम के शेयरों में बढ़त रही जबकि एसबीआई लाइफ, अपोलो हॉस्पिटल्स और नेस्ले इंडिया के शेयर नीचे आये। एशिया-प्रशांत बाजारों की शुरुआत आज मिली-जुली रही, जो प्रमुख अमेरिकी सूचकांकों में तीन लगातार दिनों की गिरावट के बाद हुई उछाल के बाद हुई है। डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल औसल 0.76 फीसदी बढ़ा, एसएंडपी 500 में 1.04 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, और नैस्डैक कंपोजिट 1.03 फीसदी बढ़ा। एशिया में, निक्केई 1.46 फीसदी नीचे आया जबकि जापान के व्यापक टॉपिक्स इंडेक्स में मामूली 0.05 फीसदी की बढ़त रही। हुई। दक्षिण कोरिया में, कोस्पी 0.88 फीसदी और कोसडाक 1.6 फीसदी उछला। इस बीच, हांगकांग का हैंग सेंग इंडेक्स भी लाभ में रहा और 0.35 फीसदी बढ़ा।

मॉनेटरी पालिसी कमिटी आज करेगी ब्याज दरों को लेकर ऐलान

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की 6 सदस्यों वाली मॉनेटरी पॉलिसी कमिटी (एमपीसी) 8 अगस्त को ब्याज दरों को लेकर अपने फैसले का ऐलान करेगी। सर्वे के अनुसार, भारतीय रुपया का आउटलुक पिछले महीने से बमुश्किल बदला है। ऐसा इसलिए क्योंकि आरबीआई ने इंडियन करेंसी को एक सिमित दायरे में रखने का प्रयास किया है।

बता दें कि आरबीआई (आरबीआई) ने मई 2022 से फरवरी 2023 के बीच रेपो रेट में 2.5 प्रतिशत बढ़ाकर 6.5 फीसदी कर दिया था। इसके बाद से एमपीसी ने पिछली आठ मॉनेटरी पॉलिसी की बैठक में ब्याज दर में किसी तरह का बदलाव नहीं किया है। इस बारे में आर्थिक जानकार ने कहा, 'फूड इन्फ्लेशन जोखिम को लेकर पालिसी को रख सतर्क होगा। गर्मियों के दौरान लू चलने और जून में मॉनसून की सुस्त चाल जैसे प्रतिकूल मौसम के कारण खाद्य महंगाई के बढ़ने का दबाव बना हुआ है। रोजाना खाने-पीने की चीजों की कीमतों से संकेत मिलता है कि जुलाई में रिटेल कीमतें ऊंची रही हैं और सब्जियों जैसे जल्द खराब होने वाले उत्पादों की आपूर्ति भी प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा, राहत की बात है कि मुख्य मुद्रास्फीति ऐतिहासिक निचले स्तर पर है, जिससे संकेत मिलता है कि सामान्य तौर पर कीमतों का दबाव नहीं है। वृद्धि भी मजबूत बनी हुई है, इसके बाद मौद्रिक नीति में खुदरा मुद्रास्फीति को 4 फीसदी लक्ष्य के करीब बनाए रखने पर ध्यान दिया जाएगा।' एक अन्य अर्थशास्त्री ने कहा, वित्त

वर्ष 2024 में उच्च वृद्धि और वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में 4.9 फीसदी मुद्रास्फीति को देखकर उन चार सदस्यों जिन्होंने जून में दर और रुख में यथास्थिति बनाए रखने के पक्ष में मत दिया था, के वोटिंग झुकाव पर असर संभवतः नहीं पड़ेगा। अगर मॉनसून के उत्तरार्द्ध में बारिश का वितरण सामान्य रहा और खाद्य मुद्रास्फीति आगे भी अनुकूल रहो तथा वैश्विक और घरेलू मोर्चे पर कुछ प्रतिकूल घटनाएं नहीं हुई अक्टूबर 2024 में आरबीआई के रुख में बदलाव आ सकता है।

सोने और चांदी में आई नरमी

नई दिल्ली। घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतें बढ़ी हैं। आज सोने के वायदा भाव की शुरुआत अच्छी रही पर इसके बाद दाम गिरने लगे। वहीं चांदी के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। सोने के वायदा भाव 68,800 रुपये जबकि चांदी के वायदा भाव 79,400 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना तेज शुरुआत के बाद नीचे आया जबकि चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी कमजोर रही। सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज बढ़त के साथ हुई पर बाद में इसके दाम भी नीचे आने लगे। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रैक्ट आज 575 रुपये की तेजी के साथ 69,440 रुपये के भाव पर खुला। यह ने 69,440 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 68,740 रुपये के भाव पर दिन के निचला स्तर पर पहुंचा। सोने का वायदा भाव इस साल 74,471 रुपये के भाव के शीर्ष स्तर पर पहुंचा। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत कमजोर रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रैक्ट आज 283 रुपये की गिरावट के साथ 79,623 रुपये पर खुला। ये 79,478 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 79,338 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर पर पहुंचा। इस साल चांदी के वायदा भाव 96,493 रुपये के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गये। अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। लेकिन बाद में इसके भाव गिर गए। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई।

जुकरबर्ग ने लगाई अमीरों की सूची में छलांग, एक दिन में कमाए 70 हजार करोड़

नई दिल्ली। एक शख्स एक ही रात में दुनिया के अमीर लोगों की लिस्ट में शामिल हो गया वह अमीरों की सूची में तीसरे नंबर पर है। जी हां, यह शख्स फेसबुक के मालिक मार्क जुकरबर्ग हैं। मार्क जुकरबर्ग फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा के सीईओ हैं। जुकरबर्ग की संपत्ति एक दिन में दस से बीस हजार करोड़ नहीं बल्कि 70 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा बढ़ गई है। इतनी बढ़ोतरी होने से वह दुनिया के सबसे अमीर लोगों की सूची में तीसरे नंबर पर आ गए हैं। जुकरबर्ग की संपत्ति करीब 175 बिलियन डॉलर यानी करीब 15 लाख करोड़ रुपये की हो गई है। जुकरबर्ग की यह संपत्ति मेटा के शेयर बढ़ने से हुई है। अमेरिकी शेयर मार्केट में मेटा के शेयरों में तीन फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। इस बढ़ोतरी से जुकरबर्ग की संपत्ति में 5.1 फीसदी का उछाल आया है। फोर्ब्स में प्रकाशित मीडिया खबरों के मुताबिक जुकरबर्ग की संपत्ति बढ़कर 175.5 बिलियन डॉलर हो गई और वह दुनिया के तीसरे सबसे अमीर इंसान बन गए। जुकरबर्ग ने बर्नार्ड अरनॉल्ट को पीछे छोड़ दिया। हालांकि बाद में जुकरबर्ग की संपत्ति में कुछ गिरावट आई और वह फिर से चौथे नंबर पर आ गए। इस साल कमाई के मामले में मार्क जुकरबर्ग दुनिया में दूसरे स्थान पर हैं।

इस साल कमाई के मामले में पहले स्थान पर जेन्सेन हुआंग हैं। इन्होंने इस साल 47.6 बिलियन डॉलर की कमाई की है। जेन्सेन चिप बनाने वाली कंपनी एनवीडिया के सीईओ हैं। यह 91.6 बिलियन डॉलर की संपत्ति के साथ दुनिया के 15वें सबसे अमीर व्यक्ति हैं। अमेरिकी शेयर मार्केट में मेटा और एनविडिया के शेयर अच्छी उछाल पर हैं। दोनों कंपनियों के शेयरों ने निवेशकों को अच्छा रिटर्न दिया है। दोनों कंपनियों के रिटर्न की तुलना करें तो यहां एनविडिया मेटा से आगे है।

बम्पर कमाई के बाद एलआईसी को फिर हिस्सेदारी बेचने की तैयारी में सरकार

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी एलआईसी में इस साल पांच फीसदी हिस्सेदारी बेचने पर सरकार विचार कर रही है। केंद्र सरकार मई 2022 में इस कंपनी का आईपीओ लाई थी जिसके जरिए उसने 21,000 करोड़ रुपए कमाए थे। इस आईपीओ के तहत सरकार ने कंपनी में 3.5 फीसदी हिस्सेदारी बेची थी। एलआईसी में अभी सरकार की 96.5 फीसदी हिस्सेदारी है। एक रिपोर्ट के हवाले से बताया गया है कि सरकार कंपनी में अपनी हिस्सेदारी कम करने के लिए एफपीओ और क्यूआईपी लाने पर विचार कर रही है। कंपनी का शेयर शुरुआती कारोबार में तीन फीसदी से ज्यादा तेजी के साथ 1116.95 रुपए पर ट्रेड कर रहा है। इसके साथ ही कंपनी का बाजार कैप 7,03,497.87 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। सेबी नियमों के मुताबिक हर लिस्टेड कंपनी की 25 फीसदी हिस्सेदारी पब्लिक के पास होनी चाहिए। सरकार ने पिछले साल एलआईसी को इस शर्त को पूरा करने के लिए दस साल की छूट दी थी। यानी कंपनी को मई 2032 तक यह लक्ष्य हासिल करना होगा। सेबी ने 14 मई 2024 को एलआईसी को दस फीसदी पब्लिक शेयर होल्डिंग की शर्त को पूरा करने के लिए तीन साल का अतिरिक्त समय दिया था।

उसे पांच साल के अंदर 16 मई 2027 तक यह काम करना होगा। प्रीमियम के हिसाब से इसकी बाजार हिस्सेदारी 58.87 फीसदी और पॉलिसीज के हिसाब से 69.91 फीसदी है।

एलआईसी का 21,000 करोड़ रुपए आईपीओ मई 2022 में आया था। यह भारतीय इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ है। इसका इश्यू प्राइस 949 रुपए था। इसकी लिस्टिंग 17 मई, 2022 को थी। इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर 1,221.50 रुपए और न्यूनतम स्तर 597.65 रुपए है। पिछले सत्र में यह 1079.20 रुपए पर बंद हुआ था और आज 1116.55 रुपए पर खुला। कारोबार के दौरान यह तीन फीसदी से ज्यादा तेजी के साथ 1116.95 रुपए पर आ गया। सुबह 9.50 बजे यह 2.62फीसदी तेजी के साथ 1107.50 रुपए पर ट्रेड कर रहा था।

रुपए का आउटलुक बदला, आरबीआई ब्याज दरों को लेकर करेगा फैसला

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की छह सदस्यों वाली मॉनेटरी पालिसी कमिटी (एमपीसी) गुरुवार को ब्याज दरों को लेकर अपने फैसले का एलान करेगी। भारतीय रुपए का आउटलुक पिछले महीने से बदला है। ऐसा इसलिए क्योंकि आरबीआई ने इंडियन करेंसी को एक सीमित दायरे में रखने का प्रयास किया है। जापान के कैरी ट्रेड में अचानक लिक्विडेशन में उथल-पुथल के बाद वैश्विक बाजारों में आई बड़ी गिरावट ने मंगलवार को रुपए को 83.96 प्रति डॉलर के लेवल पर धकेल दिया। आरबीआई ने मई 2022 से फरवरी 2023 के बीच रेपो रेट में 2.5 फीसदी बढ़ाकर 6.5 फीसदी कर दिया था। इसके बाद से एमपीसी ने पिछली आठ मॉनेटरी पॉलिसी की बैठक में ब्याज दर में किसी तरह का बदलाव नहीं किया है। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की मुख्य अर्थशास्त्री ने कहा कि फूड इन्फ्लेशन जोखिम को लेकर पालिसी का रुख सतर्क होगा।

प्रतिकूल मौसम के कारण महंगाई के बढ़ने का दबाव बना हुआ है। रोजाना खाने-पीने की चीजों की कीमतों से संकेत मिलता है कि जुलाई में रिटेल कीमतें ऊंची रही हैं और सब्जियों

जैसे जल्द खराब होने वाले उत्पादों की आपूर्ति भी प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा कि राहत की बात है कि मुख्य मुद्रास्फीति ऐतिहासिक निचले स्तर पर है, जिससे संकेत मिलता है कि सामान्य तौर पर कीमतों का दबाव नहीं है। ऐसे में मौद्रिक नीति में खुदरा मुद्रास्फीति को चार फीसदी लक्ष्य के करीब बनाए रखने पर ध्यान दिया जाएगा।

इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री ने कहा कि 2024 में उच्च वृद्धि और वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में 4.9 फीसदी मुद्रास्फीति को देखते हुए मानसून के उत्तरार्द्ध में बारिश का वितरण सामान्य रहा और खाद्य मुद्रास्फीति आगे भी अनुकूल रही। वैश्विक और घरेलू में प्रतिकूल घटनाएं नहीं हुई तो अक्टूबर 2024 में आरबीआई के रुख में बदलाव आ सकता है। एमपीसी के छह सदस्यों में से दो ने जून की बैठक में ब्याज दर में कटौती करने के पक्ष में मत दिया था। उनका तर्क था कि मॉनिटरी पॉलिसी ज्यादा सख्त होने से बढ़ती अर्थव्यवस्था पर असर पड़ सकता है।

किसानों को होगा फायदा: चावल एक्सपोर्ट पर लगा बैन हटा सकती है सरकार

नई दिल्ली। अब सरकार जल्द ही चावल पर प्रतिबंध को हटाने पर विचार कर रही है, जिससे आने वाले दिनों में धान किसानों को उनकी फसल का बेहतर मूल्य मिल सकता है। दरअसल इस साल भारत में पर्याप्त मात्रा में बारिश हुई है, जिससे धान की अच्छी पैदावार की उम्मीद है। देश में धान की कम पैदावार और खाद्यान्न की कीमतों को कंट्रोल में रखने के उद्देश्य से भारत सरकार ने पिछले साल गैर-बासमती चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। इस प्रतिबंध का प्रभाव दुबई, कुवैत और अन्य खाड़ी देशों से लेकर अमेरिका तक महसूस किया गया था।

दूसरी ओर, सरकार के पास चावल का बफर स्टॉक भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है, जिससे देश में चावल की कमी की चिंताएं दूर हो गई हैं। ऐसे में, सरकार द्वारा निर्यात पर लगा प्रतिबंध हटाना स्वाभाविक है।नीति आयोग के सदस्य रमेश चंद का कहना है कि बफर स्टॉक की अच्छी स्थिति है। वहीं पर्याप्त बारिश होने से धान की फसल बेहतर रहने की उम्मीद है। ऐसे में सरकार इस साल गैर-बासमती चावल के एक्सपोर्ट पर लगे बैन को हटा सकती है। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि चावल की आपूर्ति को लेकर चिंता करने की जरूरत है। वर्तमान में स्थिति काफी संतोषजनक है। अगर सरकार इस समय चावल के निर्यात पर लगा प्रतिबंध हटा भी लेती है, तो भी बड़ी मात्रा में चावल देश से बाहर नहीं जाएगा। इससे न केवल घरेलू बल्कि विदेशी बाजार में भी चावल की कीमतों को स्थिर बनाए रखने में मदद मिलेगी।

लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिए सफर शुरू हो चुका है, मनु भाकर ने भारत पहुंचकर दी पहली प्रतिक्रिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। : पेरिस ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीतने वाली पिस्टल निशानेबाज मनु भाकर ने बुधवार को कहा कि उनकी निगाहें अभी से 2028 में होने वाले लॉस एंजिलिस ओलंपिक पर लगी हुई हैं और वह भविष्य में लगातार अच्छे नतीजे देने के लिए कड़ी मेहनत करती रहेंगी। मनु भाकर (22 वर्ष) ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा और सरबजोत सिंह के साथ मिलकर 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर देश के लिए ओलंपिक इतिहास रच दिया।

स्वदेश लौटी मनु ने कहा, 'एक ओलंपिक के खत्म होने के बाद अब मेरे दिमाग में अगला ओलंपिक चल रहा है और इसके लिए सफर शुरू हो चुका है। अब पेरिस के बाद लॉस एंजिलिस ओलंपिक की यात्रा शुरू हो चुकी है और थोड़े ब्रेक के बाद मैं इसकी तैयारी शुरू कर दूंगी।' उन्होंने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि मेरा प्रदर्शन इस बार की तरह अच्छा रहेगा। मैं कड़ी मेहनत करके अच्छा प्रदर्शन करती रहूंगी।'

मनु स्वतंत्रता के बाद एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनी। वह 25 मीटर पिस्टल में तीसरा कांस्य जीतने के करीब भी पहुंच गई थीं लेकिन इससे चूककर चौथे स्थान पर रहीं। उन्होंने कहा, 'अगले तीन महीनों में बहुत से लोग मुझसे मिलना चाहेंगे और फिर मैं अपने परिवार के साथ समय बिताऊंगी। थोड़ा आराम करूंगी और अपनी फिटनेस पर काम करके फिर निशानेबाजी ट्रेनिंग शुरू करूंगी।' सैकड़ों प्रशंसकों और उनके परिवार ने मनु का जोरदार स्वागत किया। यह युवा खिलाड़ी शनिवार को पेरिस लौटेगी और रविवार को ओलंपिक समापन समारोह में भारत की ध्वजवाहक बनेगी। वहीं उनके कोच जसपाल राणा ने कहा कि वह अगले तीन महीने तक निशानेबाजी नहीं करेंगी। उन्होंने कहा कि मनु तीन महीने तक रेंज से दूर रहेंगी लेकिन अपनी मानसिक और शारीरिक ट्रेनिंग जारी रखेंगी। राणा ने कहा, 'तीन महीने तक वह ट्रेनिंग से दूर रहेंगी। लेकिन शारीरिक और मानसिक ट्रेनिंग जारी रखेंगी जैसे वह योगा करती रहेंगी। लेकिन निशानेबाजी की ट्रेनिंग नहीं करेंगी।'

हमेशा से ही पहले प्रयास में फिनिश करना चाहता था : नीरज

पेरिस (एजेंसी)। भारत के शीर्ष भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने पेरिस ओलंपिक के फाइनल में पहुंचने पर खुशी जताते हुए कहा है कि उनका प्रयास एक ही शॉट में फिनिश करना रहता है। नीरज ने कहा कि वह हमेशा ही पहले प्रयास में फिनिश करना चाहते हैं हालांकि ये हमेशा ही काम नहीं आता। चोपड़ा ने ग्रुप बी क्वालीफिकेशन में अपने पहले ही प्रयास में 89.34 मीटर का थ्रो किया जो उनके करियर का दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। चोपड़ा का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 89.94 मीटर है जो उन्होंने 2022 में हासिल किया था। उन्होंने इस प्रदर्शन के बाद कहा, 'मैं पहले प्रयास में अच्छा करने की कोशिश करता हूं पर यह हमेशा प्रभावी नहीं होता।'

उन्होंने कहा, 'ऐसा पहले भी हुआ है जब मेरा शुरुआती थ्रो अच्छा नहीं रहा है पर मैं पहले प्रयास में बेहतर करने की कोशिश करता हूं।' चोपड़ा के प्रदर्शन ने उनकी चोट को लेकर चिंताओं को भी दूर कर दिया। उन्होंने कहा कि वह गुरुवार को होने वाले फाइनल को लेकर बेहतर हालत में थी। इस खिलाड़ी ने कहा, 'मैं अब बेहतर हूं। मैं फाइनल पर ध्यान केंद्रित करूंगा। मैं इसे ध्यान में रखने और ठीक से अभ्यास करने की कोशिश कर रहा हूं। मैं अब बेहतर महसूस कर रहा हूं। मैं फाइनल में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करूंगा।'

चोपड़ा ने स्वीकार किया कि फाइनल में चुनौती पूरी तरह से अलग होगी। उन्होंने कहा, 'फाइनल में हर किसी की मानसिकता अलग होती है। हमें इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि हमने अच्छी शुरुआत की है और हम फाइनल के लिए जितना बेहतर तैयार होंगे, उतना बेहतर होगा।' उन्होंने कहा, 'मैं बहुत आश्वस्त हूं और अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित हूं। मैं फाइनल के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ बचाने की कोशिश कर रहा हूं। मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं और बेहतर तैयारी के साथ आने की कोशिश करूंगा।'

बांग्लादेश में टी20 महिला विश्वकप के आयोजन पर संशय छाया

-आईसीसी रख रही हालातों पर नजरें

ढ़ाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में जारी हिंसा और बदलते हुए घटनाक्रम को देखते हुए अब अगले साल वहां टी20 विश्वकप का होना संभव नजर नहीं आ रहा है। शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद देश में अराजकता और लूटपाट का माहौल है। देश में अब सेना के साथ में सत्ता आ गयी है। इसको लेकर अभी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है पर जिस प्रकार के हालात है उसमें किसी भी देश के खिलाड़ी वहां का दौरा नहीं करना चाहेंगे। पिछले महीने श्रीलंका के कोलंबो में हुई आईसीसी की वार्षिक आम बैठक में बांग्लादेश में खराब माहौर को लेकर बात उठी थी। आईसीसी का कहना है कि स्थिति पर उसकी नजरें लगी हैं। अभी आयोजन में कई माह शेष हैं, ऐसे में अभी से कोई फैसला नहीं लिया जा सकता है। साथ ही कहा कि अगर ऐसे ही हालात रहे तो किसी अन्य स्थान पर विश्वकप का आयोजन होगा। अगर विश्वकप की मेजबानी नहीं मिलती है तो ये बांग्लादेश महिला क्रिकेट के लिए बड़ा झटका होगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार दस टीमों का महिला टूर्नामेंट तीन से 20अक्टूबर तक आयोजित होने वाला है। अब इसके लिए अन्य स्थलों को भी देखा जाएगा।

ओलिम्पिक पदक के सपने को पूरा करने में शरीर को चुकानी पड़ रही भारी कीमत : पाजोन

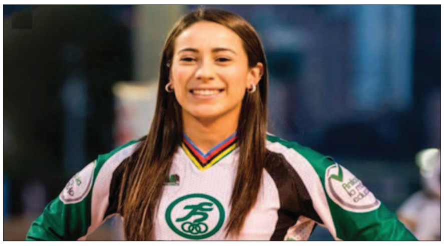

पेरिस (एजेंसी)। ओलंपिक में पदक जीतने हर खिलाड़ी का सपना होता है और इसके लिए वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हैं पर कई बार इसकी उन्हें भारी कीमत भी चुकानी पड़ती है। ओलंपिक में खिलाड़ियों के चोटिल होने का आंकड़ा लगातार बढ़ा है। कोलम्बियाई मूल की मारियाना पाजोन दुनिया की सबसे कुशल बीएमएक्स. राइडर्स में से एक है और उसके नाम दो ओलंपिक स्वर्ण पदक सहित कई रिकार्ड हैं पर पाजोन ने इसे पाने के लिए काफी दर्द भी झेला है। उनके शरीर में 25 फ्रेक्चर हो चुके हैं। 12 जगह स्क्रू डाले गए हैं जबकि 8 बार सर्जरी हुई है। उनके बाएं हाथ और घुटने में कई धातु की रॉड डली हुई है। पाजोन का कहना है कि उसके जोड़ 80 से अधिक साल के व्यक्ति की तहर हो गये हैं जबकि उनकी उम्र केवल 32 साल ही है। पाजोन के अलावा, कुश्ती, रग्बी या जिमनास्टिक के कई ऐसे खिलाड़ी हैं जिनके शरीर कठिन हालातों में है। कई खिलाड़ियों के कंधे टूट जाते हैं। उनके शरीर में धातु के स्क्रू और टाइटेनियम प्लेट्स डली हुई हैं। पाजोन ने कहा कि एक सपने को हासिल करने के लिए शरीर को कितनी कीमत चुकानी पड़ती है ।वहीं टोक्यो में फ्रीस्टाइल कुश्ती 74 किलोग्राम में कांस्य पदक जीतने वाले अमरीकी काइल डेक ने कहा कि बहुत से एथलीट्स अपने शरीर को उस हाल तक ले जाते हैं जहां वह देखना चाहते हैं कि इससे आगे क्या होगा।

इसी तरह जिम्नास्टिक में जोड़ों पर लगातार भारी दबाव पड़ता है। मुक्केबाजी में शरीर पर घूंसे मारे जाते हैं। कुश्ती में शरीर को मोड़कर चटाई पर पटक दिया जाता है। रग्बी सेवन्स में खिलाड़ी अक्सर पूरी गति से दौड़ते हुए एक-दूसरे से निपटते हैं। फील्ड हॉकी में स्टिक ऊंगलियों को इतनी जोर से कुचल सकती है कि इसे काटना तक पड़ सकता है। घुड़सवारी के खेल में घोड़ों से गिरने से सवारों के शरीर पर चोट लगती है। अमरीका के 44 वर्षीय बॉयड मार्टिन की 22 सर्जरी हुई हैं और 19 हड्डियां टूटी हैं। टोक्यो खेलों में रजत पदक जीतने वाले न्यूजीलैंड के 28 वर्षीय रग्बी सेवन्स खिलाड़ी एंड्रयू न्यूस्टब बताते हैं कि जब मैं सुबह उठता हूं तो मेरा शरीर वास्तव में दर्द करता है। मैं 2 ए.सी.एल. टूटने और अपने बाएं घुटने में संक्रमण पर काबू पाकर यहां पहुंचा हूं।

विनेश के अयोग्य घोषित होने से गुरु महावीर फोगाट भावुक हुए, अगले ओलंपिक में वापसी करेगी

भिवानी । पेरिस ओलंपिक में वजन अधिक होने के कारण भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट को फाइनल से ठीक पहले आयेग्य घोषित किये जाने से उनके गुरु महावीर प्रसाद की आंखों से आंसू आ गये। महावीर प्रसाद विनेश के ताऊ हैं। उन्होंने कहा कि अब विनेश साल 2028 में होने वाले ओलंपिक में उतरेगी।भारत के लिए पेरिस ओलंपिक से बुरी खबर है. ओलंपिक में कुश्ती के फाइनल में पहुंचने वाली महिला पहलवान विनेश का वजन सुबह कुछ ग्राम ज्यादा निकलने के कारण उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया। विनेश ओलंपिक फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बनी थीं। उन्हें आज देर रात स्वर्ण पदक का मुकाबला खेलना था पर उससे ठीक पहले वजन लिये जाने के समय उनक वजन 100 ग्राम अधिक पाया गया। ऐसे में नियमों के अनुसार उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया। गुरु को भरोसा था कि विनेश इस बार ओलंपिक में स्वर्ण जीतेगी पर वजन वर्ग में अयोग्य घोषित होने से उन्हें बड़ा झटका लगा है।

आरसीबी जा सकते हैं राहुल

मुम्बई । आईपीएल फ्रेंचाइजी लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान के एल राहुल अगले सत्र में किसी और टीम से खेलते हुए दिख सकते हैं। इसका कारण ये है कि राहुल और लखनऊ सुपर जायंट्स प्रबंधन में मतभेद गहरा गये हैं।एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले सत्र में जिस प्रकार से फ्रेंचाइजी के मालिक संजीव गोयनका भड़के थे उससे राहुल नाराज हैं हालांकि इस बहस के बाद गोयनका ने राहुल को खाने पर बुलाया था और उनके बीच अच्छी बातचीत हुई थी। तब लगा था कि दोनों के बीच सब कुछ ठीक है पर ये बात गलत निकली। राहुल 2022 में टीम से जुड़े थे और तब से उन्होंने टीम को हर बार प्लेऑफ में पहुंचाया पर टीम । टूर्नामेंट के नॉकआउट स्तर तक नहीं पहुंच पायी। पिछले सत्र में टीम अंक तालिका में सातवें स्थान पर रही थी। वहीं अब एक रिपोर्ट के मुताबिक राहुल रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से फिर जुड़ सकते हैं। फ्रेंचाइजी को भी एक ऐसे भारतीय खिलाड़ी की तलाश है, जो कप्तानी कर सके। आरसीबी आज तक आईपीएल नहीं जीत है। उसने विराट कोहली के बाद दक्षिण अफ्रीका के फाफ डुप्लेसी को भी कप्तान बनाया पर उसकी एक न चली। ऐसे में अब वह राहुल को कप्तान बनाना चाहती है। 2022 में विराट ने लंबे समय के बाद आरसीबी की कप्तानी छोड़ी थी और उसके बाद डुप्लेसी टीम के नए कप्तान बने थे पर उनकी बढ़ती उम्र को देखते हुए प्रबंधन अब किसी युवा खिलाड़ी को कप्तानी देना चाहता है। 40 वर्षीय फाफ ज्यादा समय तक फ्रेंचाइजी का साथ नहीं सकते हैं। राहुल पहले भी टीम में रहे है जिससे प्रबंधन उनके बारे में अच्छी प्रकार से जानता है।

चयनकर्ताओं, कोच और कप्तान को भरोसा है, हमें आप पर विश्वास है: पराग से बोले कोहली

कोलंबो (एजेंसी)। भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने बुधवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण कर रहे रियान पराग को उनकी एकदिवसीय कैप देते हुए उनकी तारीफ करते हुए कहा कि उन्हें चयनकर्ताओं, मुख्य कोच और कप्तान का भरोसा हासिल है।

कोहली ने श्रीलंका के खिलाफ तीसरे और अंतिम एकदिवसीय मैच से पहले पदार्पण कर रहे पराग को एकदिवसीय कैप सौंपी। तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में 0-1 से पिछड़ने के बाद भारत ने यहां आर प्रेमदासा स्टेडियम में तीसरे और अंतिम मैच से पहले पराग को पदार्पण का मौका दिया। खेल शुरू होने से पहले एक छोटे से समारोह में कोहली ने बीसीसीआई द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में कहा, 'रियान (पराग), सबसे पहले भारत के लिए अपना पहला मैच खेलने के लिए बधाई।'

उन्होंने कहा, 'आज के क्रिकेट में हम सभी जानते हैं कि प्रदर्शन के अलावा, जो लोग आपके चयन के लिए जिम्मेदार हैं, वे आपको देख रहे थे और उन्होंने आपके अंदर कुछ खास देखा है।' कोहली ने कहा, 'जीजी भाई (मुख्य कोच गौतम गंभीर), चयनकर्ताओं, रोहित (शर्मा) और सभी से बात की है और उन्होंने आपके अंदर कुछ खास देखा है।'

कोहली ने कहा कि पराग के लिए पदार्पण करने का इससे बेहतर समय नहीं हो सकता था क्योंकि भारत श्रीलंका के खिलाफ श्रृंखला में हार से बचने के दबाव में है। पहला एकदिवसीय रोमांचक टाई पर समाप्त होने के बाद भारत ने दूसरा मैच 32 रन से गंवा दिया। कोहली ने कहा, 'आपके पास भारत के लिए मैच विजेता बनने की क्षमता है। मुझे पता है कि आपको यह विश्वास है, मैं आपको कुछ समय से जानता हूं और हम सभी को आप पर यह विश्वास है।' उन्होंने कहा, 'आज, 0-1 से पिछड़ने के बाद, अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत करने के लिए इससे बेहतर समय नहीं हो सकता। मैदान, गेंद, बल्ले और क्षेत्ररक्षण में प्रभावशाली उपस्थिति के साथ मैं आपको शुभकामनाएं देता हूं। कैप 256, रियान पराग।'

पेरिस ओलंपिक : ऑस्ट्रेलियाई हॉकी खिलाड़ी कोकीन खरीदने की कोशिश के बाद हिरासत में

पेरिस। पेरिस अभियोक्ता कार्यालय के अनुसार ऑस्ट्रेलियाई ओलंपिक फील्ड हॉकी टीम के एक सदस्य को कोकीन खरीदने के प्रयास के बाद यहां हिरासत में लिया गया। कार्यालय ने एक बयान में कहा कि पुलिस ने मंगलवार की रात पेरिस में एक इमारत के बाहर ड्रग लेन-देन रोका। उन्होंने कहा कि जांच के लिए यह मामला पुलिस की ड्रग रोधी इकाई को सौंप दिया है। अभियोक्ताओं ने कहा कि यह कथित खरीदार ऑस्ट्रेलियाई फील्ड हॉकी टीम का 28 वर्षीय सदस्य था और 17 वर्षीय कथित विक्रेता को भी हिरासत में लिया गया। ऑस्ट्रेलियाई ओलंपिक समिति ने एक बयान में कहा कि कोई आरोप दायर नहीं किया गया है और कहा कि वह टीम के सदस्य के लिए सहायता की व्यवस्था कर रही है। ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों और पेरिस अभियोक्ताओं ने खिलाड़ी का नाम जारी नहीं किया है। ऑस्ट्रेलियाई पुरुष और महिला टीम पेरिस ओलंपिक में क्वार्टरफाइनल से बाहर हो गई थीं। पुरुष टीम ने 2021 तोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीता था।

इस सत्र के बाद मुख्य कार्याकारी का पद छोड़ देंगे हॉकले

मेलबर्न । क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के मुख्य कार्यकारी निक हॉकले ने कहा है कि वह इस सत्र के बाद अपने पद पर नहीं रहेंगे। हॉकले पिछले पांच साल से मुख्य कार्यकारी बने हुए हैं। पिछले एक दशक से अधिक समय से सीए से जुड़े हॉकले ने साल 2020 में केविन रॉबर्टस के इस्तीफे के बाद ही मुख्य कार्यकारी का पद संभाला था। हॉकले ने कहा, 'यह फैसला करना मेरे लिए कठिन रहा है पर इन गर्मियों में शानदार क्रिकेट सत्र के वादे और अपनी पांच वर्ष की रणनीतिक योजना को आगे बढ़ाने के बाद नई चुनौती को स्वीकार करने का यह सही समय है। उन्होंने साथ ही कहा, 'अभी पद छोड़ना सही नहीं है क्योंकि मेरा पूरा ध्यान आगामी सत्र और बोर्ड में ठीक से कामकाज के तरीके में बदलाव करने और उसे आगे बढ़ाने को लेकर है। वहीं सीए अध्यक्ष माइक बेयर्ड ने भी कहा है कि हॉकले अगले सत्र से पद पर नहीं रहना चाहते हैं। उन्होंने हॉकले की प्रशंसा करते हुए कहा है कि सीईओ के रूप में, निक ने महामारी के दौरान कठिन चुनौती के दौर में खेल को संभाला और विकास और स्थिरता को गति दी। उनका पूरा ध्यान हमारे प्रशंसकों, खिलाड़ियों, प्रसारकों, साझेदारों और पूरे ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के लिए एक और सफल ग्रीष्मकाल सत्र प्रदान करने पर है और अगले वर्ष जब वह पद से हटेंगे तो उनकी विरासत और उपलब्धियों को हमें आगे बढ़ाना होगा।

हरिका प्रज्ञानन्दा नें जीता विश्व टीम ब्लिट्ज़ में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक , अर्जुन को रजत पदक

अस्ताना , कज़ाकिस्तान । विश्व टीम रैपिड और ब्लिट्ज़ शतरंज चैंपियनशिप के खिताब वैसे तो अल एन और डबल्यूआर टीम नें अपने नाम किए है और एमजीडी 1 और चैसी जैसी टीमों नें भी शानदार प्रदर्शन किया ,लेकिन इन टीम की सफलताओं में भारतीय खिलाड़ियों नें भी अपना योगदान दिया है और इसका असर व्यक्तिगत पदक तालिका में साफ नजर आ रहा है , टीम एमजीडी 1 जिसमें ब्लिट्ज़ में उपविजेता का स्थान हासिल किया उसमें हरिका द्रोणावल्ली नें पांचवें बोर्ड पर 7 में से 6 अंक बनाकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया जबकि टीम के लिए रैपिड में पहले बोर्ड पर खेलते हुए 12 राउंड में 9.5 अंक बनाकर रजत पदक हासिल किया , ब्लिट्ज़ की विजेता डबल्यूआर टीम से खेलने वाले आर प्रज्ञानन्दा नें चौंथे बोर्ड में 4 से 4 अंक बनाकर स्वर्ण पदक हासिल किया । वहीं एमजीडी 1 के मिहिर शाह नें ब्लिट्ज़ में कांस्य और रैपिड में रजत पदक अपने नाम किया ।

विनेश फोगाट ही नहीं ये भारतीय खिलाड़ी भी पेरिस ओलंपिक में हो चुके हैं भेदभाव का शिकार

पेरिस (एजेंसी)। भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट को आज 7 अगस्त को फ्रीस्टाइन कुश्ती के 50 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में गोल्ड के लिए खेलना था। लेकिन इससे पहले ही वर्ग से अधिक भार होने के बाद उन्हें ओलंपिक से डिस्क्वालीफाई कर दिया गया है। इस फैसले के बाद देश भर में भारी रोश है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख प्रगट करते हुए इस पूरे मामले पर पीटी उषा से सख्त विरोध दर्ज करने के लिए कहा है। लेकिन ओंलपिक खेलों में भारत के ये खिलाड़ी भी भेदभाव का शिकार हो चुके हैं। आइए जानते हैं-

अमित रोहिदास को रेड कार्ड के बाद एक मैच से बैन किया

भारतीय हॉकी टीम के प्रमुख डिफेंडर अमित रोहिदास को ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मैच में रेड कार्ड मिलने के कारण उक्त मैच से बाहर कर दिया था। ब्रिटेन के खिलाफ भी भारत ने 10 खिलाड़ियों के साथ ही क्वार्टर फाइनल खेला था और पनेल्टी शूटआउट में जीत दर्ज की थी। हालांकि गाज इतने तक ही सीमित नहीं थी। रोहिदास को एक मैच के लिए निलंबित कर दिया गया है और वह जर्मनी के खिलाफ मंगलवार को होने वाले ओलंपिक सेमीफाइनल में नहीं खेल पाए।

रोहिदास को ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ रविवार को खेले गए मैच में अंतिम हूटर बजने से लगभग 40 मिनट पहले मैदान से बाहर भेज दिया गया था क्योंकि उनकी स्टिक अनजाने में एक प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी पर लग गई थी। ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ मैच के दूसरे क्वार्टर में 31 वर्षीय रोहिदास मैदान पर विल कैलनान से बहस में उलझ गए थे। मैदानी अंपायर ने भारतीय खिलाड़ी को पहले चेतावनी दी लेकिन टीवी अंपायर ने वीडियो रेफरल के बाद रोहिदास को रेड कार्ड दे दिया।

मुक्केबाज निशांत देव के साथ धोखा

भारतीय मुक्केबाज निशांत देव पेरिस ओलंपिक में पुरूषों के 71 किलोवर्ग के क्वार्टर फाइनल में मैक्सिको के मार्को वेरडे से हारकर बाहर हो गए। वेल्टरवेट के इस मुकाबले में विश्व चैंपियनशिप कांस्य पदक विजेता निशांत ने अच्छी शुरूआत की, लेकिन बंटे हुए फैसले के आधार पर उन्हें 1-4 से पराजय का सामना करना पड़ा।

मुक्केबाजी में ओलंपिक कांस्य जीत चुके विजेंदर सिंह और अभिनेता रणदीप हुड्डा ने भी बाउट के दौरान स्कोरिंग सिस्टम पर सवाल खड़े किए। 23 साल के निशांत ने पहला राउंड जीता था, लेकिन अगले दो राउंड में नतीजा वेरडे के पक्ष में रहा था, जबकि निशांत ज्यादा हावी दिखे थे। विजेंदर ने निशांत को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए तारीफ की और मैच में स्कोर करने की प्रणाली पर सवाल उठाते हुए एक्स पर लिखा- 'मुझे नहीं पता कि स्कोरिंग सिस्टम क्या है, लेकिन मुझे लगता है कि बहुत करीबी लड़ाई थी। निशांत ने इतना अच्छा खेला.. कोई ना भाई।' अभिनेता रणदीप हुड्डा का मानना है कि निशांत को बाहर कर उनसे ओलंपिक पदक लूट लिया गया है। उन्होंने एक्स पर लिखा था, 'निशांत ने इस मैच को जीता था। मैक्सिकन मुक्केबाज की जमकर धुनाई की थी। यह स्कोरिंग क्या है? पदक लूट लिया, लेकिन हमारे मुक्केबाज ने दिल जीत लिया। दुखद है!! अभी कई और मेडल आने हैं छोरे!!

गुजरात आदिजाति विकास निगम की योजना ने उच्च शिक्षित आदिवासी महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाया

सूरत। एमए बीएड करने के बाद मुझे रोजगार की चिंता थी। लेकिन अब मैं नाहरी होटल चलाकर नौ लोगों को रोजगार दे रही हूं, सूरत जिले के मांडवी तालुक के सथवाव गांव की अनिताबेन चौधरी ने कहा।

हमें हर चीज़ के बारे में शिकायत करने की आदत है। कभी हम रोजगार का रोना रोते रहते हैं तो कभी नौकरी की संतुष्टि का। लेकिन हम कभी भी इन समस्याओं के समाधान के बारे में नहीं सोचते। अगर हम शांति से सोचें तो हर समस्या का समाधान हो सकता है।

दोस्तों आपने वो कहावत तो सुनी ही होगी कि मन हो तो जमीन पर। यदि मनुष्य दृढ़ निश्चय कर ले तो कोई भी समस्या उसे हिला नहीं सकती। जिसका उदाहरण सथवाव गांव की अनिताबेन चौधरी हैं, जिन्होंने उच्च शिक्षा के बाद रोजगार की समस्या का डटकर सामना किया और आज आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन गई हैं।

अनिताबेन चौधरी मांडवी-झांखवाव रोड पर सथवाव गांव में अपना नाहरी होटल चलाती हैं। जहां वे पारंपरिक आदिवासी व्यंजन बनाते हैं जिन्हें देखकर ग्राहक दांतों तले उंगलियां चाटने पर मजबूर हो जाते हैं।

सूचना विभाग की टीम से बात करते हुए अनिताबेन ने कहा कि आदिजाति विकास निगम में काम करने वाली मेरी बहन तरुबेन चौधरी ने मुझे निगम से ऋण के बारे में जानकारी दी और कहा कि उन्हें केवल चार प्रतिशत की मामूली दर पर ऋण मिल रहा है.

आदिजाति विकास निगम से ऋण प्राप्त करने की सभी प्रक्रिया ऑनलाइन करने के बाद मुझे रु. पांच लाख का लोन दिया गया. उन्होंने कहा, अपने पति उमेशभाई की मदद से मैंने नाहरी आदिवासी होटल शुरू किया और आज नाहरी आदिवासी होटल चलाकर मैं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो गई हूं।

होटल शुरू करने का विचार उनके मन में कैसे आया, इस बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, च्मुझे पता था कि सखी मंडल की बहनें डांग जिले में ऐसा होटल चला रही हैं. चूँकि मुझे पहले से ही खाना पकाने का शौक था, इसलिए मैंने इस होटल व्यवसाय में उतरने का फैसला किया।

मेरे होटल में इस समय नौ लोग काम कर रहे हैं। उनका कहना है कि एक हेल्पर को 9000/- रुपये और एक केमिस्ट को 12000/- रुपये मासिक वेतन दिया जा रहा है.

होटल से होने वाली आय के बारे में बात करते हुए वह कहते हैं कि मुझे महीने का दो से तीन लाख मिलता है। सारे खर्चे काटने के बाद मुझे प्रति माह 25 से 30 हजार का मुनाफा हो जाता है। अब मैं किसी का दिमाग नहीं हूं. मैं अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दे सकती हूं और अपने परिवार की आर्थिक मदद भी कर सकती हूं।ज

आदिजाति विकास निगम से मिले लोन के बारे में उन्होंने कहा, मैंने पांच लाख रुपये का लोन लिया है. 27256 रुपये की त्रैमासिक किस्त के अनुसार, ऋण पांच वर्षों में चुकाया जाएगा। गुजरात आदिजाति विकास निगम की यह योजना बहुत अच्छी योजना है।

श्री श्याम झूलन महोत्सव में सजाई झांकियाँ

सुरत भुमि, सूरत।

श्री श्याम सेवा ट्रस्ट महिला समिति द्वारा हरियाली तीज के अवसर पर वीआईपी रोड़ स्थित श्री श्याम मंदिर, सूरतधाम में बुधवार को श्री श्याम झूलन महोत्सव का आयोजन शाम चार बजे से किया गया।

श्री श्याम सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष कैलाश हाकिम ने बताया कि आया मौक़े पर लखदातार हॉल को कृष्ण भगवान की बाल लीला की थीम पर सजाया गया। सावन हिंडोला उत्सव के मौक़े पर राधा कृष्ण का झूला, ओखली और पेड़ की लीला, बाल लीला, पनघट आदि की झांकियाँ सजाई गई। आयोजन में रितु गुप्ता एंड पार्टी द्वारा श्री राधा-कृष्ण लीला की नृत्य-नाटिका की प्रस्तुति दी गई एवं सुरभि बिरजुका द्वारा एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी गई।

कार्यक्रम में महिलायें पारम्परिक वेशभूषा पहनकर आयी और अपने घर के लड्डूगोपाल को श्रृंगारित करके लेके आई। आयोजन में महिलाओं ने लड्डूगोपाल को झूला झुलाया। आयोजन में महिलाओं की भारी भीड़ उमड़ी।

सूरत के प्रांगण में 11 तारीख को मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्रभाई पटेल की उपस्थिति में दो किलोमीटर की भव्य तिरंगा यात्रा निकाली जायेगी

सूरत।

आगामी 15 अगस्त स्वतंत्रता सप्ताह के दौरान राष्ट्रीय ध्वज और देश का गौरव दिखाने के इरादे से 10 से 13 तारीख तक पूरे प्रदेश में ''हर घर तिरंगा'' के तहत तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी।

सूरत में मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्रभाई पटेल की उपस्थिति में च्हर घर तिरंगाज अभियान के तहत रविवार 11 अगस्त को शाम 6 बजे वाई जंक्शन से लालभाई कॉन्ट्रैक्टर स्टेडियम तक दो किलोमीटर की भव्य तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। दो किमी. मार्ग पर करीब 10 मंच बनाए जाएंगे, जिनमें संगीत के साथ कलाकारों द्वारा देशभक्ति सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे।

वाई जंक्शन से शुरू होने वाली तिरंगायात्रा में सबसे पहले स्केटर्स, साइकिल चालक, पुलिस बैंड, शैक्षणिक संस्थानों के बैंड और ब्लॉक वाइज एसोसिएशन के प्रतिनिधि, कॉलेजों और स्कूलों के छात्र, सामाजिक और स्वयंसेवी संगठन, योग बोर्ड के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल होंगे। उनके हाथों में राष्ट्रीय ध्वज. इसके अलावा भारत भारतीय संस्थान के तहत भारत के 15 राज्यों के सूरत में रहने वाले नागरिक अपनी पारंपरिक वेशभूषा पहनकर एक भारत, श्रेष्ठ भारत के आदर्श वाक्य को साकार करने के लिए तिरंगयात्रा में भाग लेंगे।

हॉल में जिला कलेक्टर डॉ. सौरभ पारधी, पुलिस आयुक्त श्री अनुपमसिंह गहलौत, उपायुक्त शालिनी अग्रवाल सहित स्कूल-कॉलेज, विश्वविद्यालय, चैंबर ऑफ कॉमर्स के अधिकारी, विभिन्न उद्योगों के प्रतिनिधि, स्केटिंग साइकिल चालक संघ, जीआईडीसी के अध्यक्षों की उपस्थिति में जिला कलक्टर कार्यालय में तिरंगा यात्रा उत्सव के आयोजन हेतु जिले के विभिन्न विभागों के साथ बैठक की गई। बैठक में जिला कलक्टर ने स्कूल-कॉलेज संचालकों, उद्योगों, साइकिलिंग-स्केटिंग एसोसिएशनों के अध्यक्षों से बड़ी संख्या में तीर्थयात्रा में शामिल होने की अपील की.

इस बैठक में जिला विकास अधिकारी शिवानी गोयल, नगर निगम आयुक्त राजेंद्र पटेल, सचिन-पांडेसरा जीआईडीसी, पीपी सवानी, एसडी जैन हाई स्कूल, भगवान महावीर यूनिवर्सिटी, सूरत डायमंड एसोसिएशन के प्रतिनिधि, क्रेडाई, फोगवा सहित विभिन्न उद्योगों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

SGCCI द्वारा सरसाणा स्थित SIECC में 'यार्न एक्सपो-2024' की भव्य प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी

सूरत।

दक्षिणी गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री और दक्षिणी गुजरात चैंबर व्यापार और उद्योग विकास केंद्र ने प्रदर्शनियों की श्रृंखला के तहत वर्ष 2024-25 की दूसरी प्रदर्शनी के रूप में 'यार्न एक्सपो-2024' का आयोजन 9, 10 और 11 अगस्त, 2024 को सुबह 10:00 बजे से शाम 7:00 बजे तक सरसाना में सूरत अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी और कन्वेंशन सेंटर में किया गया।

चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष श्री विजय मेवावाला ने कहा कि चेंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा इस प्रदर्शनी का आयोजन इस उद्देश्य से किया जा रहा है कि सूरत के कपड़ा उद्योग के विकास को गति मिल सके और यार्न उत्पादन उद्योगपतियों को नवीनतम तकनीक की जानकारी मिल सके. प्रदर्शनी लगभग 1 लाख 16 हजार वर्ग फुट क्षेत्र में आयोजित की जाएगी, जिसमें 92 प्रदर्शक भाग ले रहे हैं। प्रदर्शनी में सूरत के अलावा, अहमदाबाद, वडोदरा, नवसारी, मुंबई, इरोड, कोयंबटूर, तमिलनाडु (नामखल और करूर शहर), जयपुर, बैंगलोर, पानीपत (हरियाणा), चेन्नई और कर्नाटक के प्रदर्शक भाग ले रहे हैं।

इस वर्ष चैंबर के यार्न एक्सपो का छठा संस्करण है, जहां देश भर के यार्न निर्माता एक मंच पर आएंगे और यार्न की सभी किस्मों का प्रदर्शन करेंगे। प्रदर्शनी में विशेष रूप से सिल्वर जरी और गोल्ड जरी, टेन्सिल यार्न, कटान, एन सिल्क, लियोसेल, जिंक लिनन, कार्बन फाइबर, नमी प्रबंधन, बायो डिग्रेडेबल, हेम्प यार्न, एंटी माइक्रोबियल यार्न का प्रदर्शन किया जाएगा। कपड़ा उत्पादन में रेशम के स्थान पर एन सिल्क और लियोसेल धागों का उपयोग किया जाता है। तकनीकी वस्त्रों में कार्बन फाइबर यार्न और बायोडिग्रेडेबल का उपयोग किया जाता है। रोगाणुरोधी धागों का उपयोग चिकित्सा वस्त्रों के उत्पादन में किया जाता है। इसके अलावा इस धागे का उपयोग स्पोर्ट्स वियर, टेक्निकल टेक्सटाइल और मेडिकल टेक्सटाइल में किया जाता है। इस धागे का उपयोग निर्यातोन्मुखी कपड़ा बनाने में भी किया जाता है।

चैंबर के उपाध्यक्ष निखिल मद्रासी ने कहा कि शुक्रवार को स्व. यार्न एक्सपो का उद्घाटन 9 अगस्त, 2024 को सुबह 10:00 बजे सूरत अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी और कन्वेंशन सेंटर, सरसाणा, सूरत में किया जाएगा। उद्घाटन समारोह सेमिनार हॉल ए, एसआईईसीसी डोम, सरसाना, सूरत में आयोजित किया जाएगा, जिसमें श्री रोहित कंसल (आईएएस), अतिरिक्त सचिव, कपड़ा मंत्रालय, भारत मुख्य अतिथि होंगे। भारतीय कपड़ा मंत्रालय की संयुक्त सचिव श्रीमती प्रजाकता वर्मा (आईएएस), निदेशक श्री अनिल कुमार (आईआरएस) और अतिरिक्त कपड़ा आयुक्त श्री एस.पी. वर्मा और रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री जे.रघुनाथ विशेष अतिथि के रूप में इस अवसर की शोभा बढ़ाएंगे।

चैंबर के तत्कालीन पूर्व अध्यक्ष श्री रमेश वघासिया, मानद मंत्री श्री नीरव मंडलेवाला और मानद कोषाध्यक्ष श्री मृणाल शुकल ने कहा कि देश भर के विभिन्न राज्यों और शहरों जैसे इरोड, इच्छलकरंजी, तिरुपुर, तमिलनाडु, कोयंबटूर, हरियाणा, हैदराबाद, पानीपत, वाराणसी, वारंगल, लुधियाना, इंदौर, अमरावती, बैंगलोर आदि से वास्तविक खरीदार और आगंतुक यार्न प्रदर्शनी का दौरा करेंगे। बुनकर, बुनकर, उद्योग जगत के नेता और उद्यमी इस प्रदर्शनी का दौरा करेंगे। जैसे ही विभिन्न धागों के निर्माता और खरीदार एक छत के नीचे एक मंच पर एकत्र होंगे, उनके बीच व्यावसायिक बैठकें भी आयोजित की जाएंगी। इसके अलावा अमेरिका और तुर्की से भी विदेशी प्रतिनिधिमंडलों और खरीदारों के इस प्रदर्शनी में आने की संभावना है.

चैंबर के सभी प्रदर्शनियों के अध्यक्ष श्री बिजल जरीवाला ने कहा कि प्रदर्शक इस प्रदर्शनी में कपास, पॉलिएस्टर, ऊन, रेशम, लिनन, विस्कोस, रेमी और स्पैन्डेक्स आदि जैसे उत्पाद प्रदर्शित करेंगे जो प्राकृतिक और मानव निर्मित कपड़ों में परिवर्तन और विकास को दिखाएंगे। इसके अलावा इलास्टिक, मैटेलिक, एम्ब्रॉयडरी, टेक्सचर्ड, स्लब, डोप डाईड स्पन, लो टॉर्क और फैंसी मेलेंज जैसे विभिन्न विशेष फाइबर भी देखने को मिलेंगे। इस प्रदर्शनी में दक्षिण गुजरात के व्यापार जगत के प्रतिनिधि मौजूद रहेंगे. प्रदर्शनी में 25 हजार से अधिक खरीदारों और आगंतुकों के आने की उम्मीद है।

यार्न एक्सपो-24 के अध्यक्ष श्री गिरधरगोपाल मूंदड़ा एवं सह-अध्यक्ष श्री उमेश कृष्णानी ने बताया कि यार्न में 100% पॉलिएस्टर टेक्सचर्ड यार्न, डोप डाइड पॉलिएस्टर यार्न, रिसाइकल्ड पॉलिएस्टर यार्न, सिरो पॉलिएस्टर यार्न, ब्लेंडेड यार्न, केटोनिक का उपयोग विशेष कपड़े बनाने के लिए किया जाता है। एक्सपो में यार्न, एयर टेक्सचर्ड यार्न, स्लब यार्न, कॉटन लुक पॉलिएस्टर यार्न, कॉटन फेल्ट पॉलिएस्टर यार्न, फैंसी पॉलिएस्टर यार्न, इनहेरेंट फायर रिटार्डेंट यार्न और इनहेरेंट एंटी बैक्टीरियल यार्न आदि का प्रदर्शन किया जाएगा। एक्सपो में सूरत के अलावा देश के 100 से ज्यादा शहरों से खरीदार-आगंतुक आएंगे।

यार्न एक्सपो-24 के सह-अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल शाह, श्री किरण थुम्मर और श्री अशोक राठी ने कहा कि सूरत, अहमदाबाद, मालेगांव, हैदराबाद, सिलवासा, मदुरै, डिसा, मुंबई, वापी, नवसारी, कोझिकोड, वाराणसी, दिल्ली के अलावा , कोयंबटूर, ठाणे, दमन, वांकानेर, भीलवाड़ा, सोलापुर, अंकलेश्वर, बुरहानपुर, इच्छलकरंजी, पुणे, भिवंडी, बैंगलोर, जयपुर, भदोई - उत्तर प्रदेश, नैरोबी, धुले, आंध्र प्रदेश, पानीपत, बालासोर, डोंबिवली, कोलकाता, बैंगलोर, तमिल नाडु, लुधियाना, केरल, कुमसी, गुवाहाटी, हिंदूपुर, नागपुर, सोलापुर, नई दिल्ली, इंदौर, ग्रेटर नोएडा, जोधपुर, अजमेर, जबलपुर, डिंडीगुल, इरोड, लुधियाना, करूर - तमिलनाडु, कोल्हापुर, कर्नाटक, कल्याण, नमक्कल - तमिल नाडु, अमृतसर, जूनागढ़, कम्बा, उल्हासनगर, वडनगर, नवापुर, उदयपुर, शोलिंगुर तमिलनाडु, कोडा कांडला - तेलंगाना, राजकोट, खिम, सलेम, गुंटूर, जेतपुर, मेहसाणा, बोटाद, सरीगाम, हिम्मतनगर, मथुरा, मऊनाथ भंजन - उत्तर प्रदेश और यवतमाल के खरीदारों और आगंतुकों ने यार्न एक्सपो में आने के लिए ऑनलाइन पंजीकरण कराया है।

पॉज़ि़ट्रॉन एनर्जी लिमिटेड का आईपीओ 12 अगस्त, 2024 को खुलेगा

मुंबई। पॉज़ि़ट्रॉन एनर्जी लिमिटेड, जो तेल और गैस उद्योग में प्रबंधन और तकनीकी सलाहकार सेवाओं में लगी हुई है, ने 12 अगस्त, 2024 को अपने प्रारंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव (IPO) के साथ सार्वजनिक होने की योजना की घोषणा की है। कंपनी इस आईपीओ के माध्यम से उच्चतम बैंड पर रू 51.21 करोड़ जुटाने का लक्ष्य रख रही है, और शेयरों को हस्थ इमर्ज प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध किया जाएगा।

इश्यू का आकार रू 10 प्रत्येक के 20,48,400 इक्विटी शेयर है।

इक्विटी शेयर आवंटन

क्यूआईबी एंकर पोर्शन - 5,8 3,200 इक्विटी शेयर से अधिक नहीं

क्यूआईबी - 3,88,800 इक्विटी शेयर से अधिक नहीं

एनआईआई - 2,92,200 इक्विटी शेयर से कम नहीं

आरआईआई - 6,81,600 इक्विटी शेयर से कम नहीं

मार्केट मेकर - 1,02,600 इक्विटी शेयर

आईपीओ से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। एंकर पोर्शन के लिए बोली 09 अगस्त, 2024 को खुलेगी, और सभी अन्य श्रेणियों के लिए इश्यू 12 अगस्त, 2024 से 14 अगस्त, 2024 तक सब्सक्रिप्शन के लिए खुला रहेगा।

इश्यू का बुक रनिंग लीड मैनेजर Beeline Capital Advisors Private Limited है। इश्यू का रजिस्ट्रार Link Intime India Private Limited है।

पॉज़ि़ट्रॉन एनर्जी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री राजीव शंकरनकुट्टी मेनन ने कहा, "गैस वितरण और प्रबंधन परामर्श सेवाओं के लिए व्यापक समाधान प्रदान करने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता ने पॉज़ि़ट्रॉन एनर्जी लिमिटेड को तेल और गैस क्षेत्र में एक विशिष्ट नेता के रूप में स्थापित किया है। हमारी सेवाएं साल भर सुसंगत रहती हैं। हम एक गुणवत्ता-प्रेमी कंपनी हैं।

सैमसंग इस महीने खासतौर से भारत के लिए बनाई गई एआई-पावर्ड वॉशिंग मशीन लॉन्चा करेगा

गुरुग्राम।

भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने आज भारतीय बाजार के लिए खासतौर पर डिजाइन की गई अपनी नई एआई-पावर्ड वाशिंग मशीन को लॉन्च करने की घोषणा की है। इस नए लॉन्च के साथ, सैमसंग भारतीय उपभोक्ताओं के कपड़े धोने का अनुभव पूरी तरह से बदल देगा और इसे और भी आसान बना देगा।

नई, एआई-पावर्ड वॉशिंग मशीन में रोजाना की जरूरतों को पूरा करने के लिए एडवांस्ड टेक्नोलॉजी दी गई है, जो कपड़े धोने की प्रक्रिया को बेहद आसान और सुविधाजनक बनाएगी। यह मशीन ग्राहकों को कपड़े धोने का शानदार अनुभव देगी और यह उन्हेंउ "कम मेहनत करने और अधिक जीने" (डू लेस एंड लिव मोर) के सैमसंग के नजरिये से मेल खाती है।

सैमसंग के पास 1974 से वॉशिंग मशीनों में नए-नए आविष्कार करने की एक शानदार विरासत है, जब कंपनी ने अपनी पहली वॉशिंग मशीन लॉन्च की थी। 1979 में, सैमसंग ने अपनी पहली ऑटोमैटिक वॉशिंग मशीन पेश की, जिसने एक ही टच से कपड़े धोने और निचोड़ने का काम किया, जिससे कपड़े धोना बहुत आसान हो गया। 1997 में, सैमसंग ने फ्रंट-लोडिंग वॉशिंग मशीन लॉन्च की, जिसने कपड़े धोते समय उनके नुकसान को कम किया और उच्च तापमान पर कपड़े धोने की क्षमता दी, जिससे कपड़ों की देखभाल का नया मानक स्थापित हुआ।

वर्ष 2008 में, सैमसंग इकोबबल वॉशिंग मशीन लॉन्चत कर कपड़े धोने की दुनिया में बड़ा बदलाव लेकर आया। यी पहली वॉशिंग मशीन थी जिसमें दमदार सफाई के लिए बबल टेक्नो लॉजी का उपयोग किया गया था। इसके बाद, 2014 में एक्टिव डुअलवॉश टेक्नोललॉजी को पेश किया गया, जिसने अपनी अनूठी वॉबल तकनीक और बिल्ट-इन सिंक के साथ उपभोक्ताओं की सहूलियत को और बढ़ा दिया। इस वॉशिंग मशीन के आने से कपड़ों का प्री-ट्रीटमेंट पहले से कहीं अधिक आसान हो गया।

सैमसंग ने नए-नए प्रोडक्ट्से लाने की अपनी परंपरा को जारी रखते हुए, 2017 में, फ्लेक्सवॉश वॉशिंग मशीन पेश की। इस मशीन में दो अलग-अलग वॉशर थे जिन्हें कपड़े धोने की अलग-अलग जरूरतों को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है। फिर 2021 में, सैमसंग ने भारत की पहली एआई-इनेबल्डी इकोबबल वॉशिंग मशीन लॉन्चन कर स्मार्ट लॉन्ड्री समाधान में एक नया मानक स्थापित किया। इस मशीन में उन्नडत एआई टेक्नो लॉजी थी जिसकी मदद से भारतीय घरों के लिए कपड़े धोने का तरीका और भी अच्छा हो गया। सैमसंग हमेशा नए-नए प्रोडक्ट्सै बनाने में सबसे आगे रहा है। इस महीने के अंत में, कंपनी अपनी नई वाशिंग मशीन लाने वाली है। यह मशीन कपड़े धोने के तरीके को पूरी तरह बदल देगी और एक नये युग की शुरुआत करेगी।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)